RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

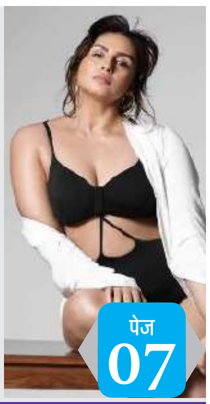

यश की फिल्म में एलिजाबेथ बनकर छाईं हुमा कुरैशी, टॉक्सिक से फर्स्ट लुक जारी

पेज 07

VOL: 03 | ISSUE 341 | MONDAY DATE 29-12-2025 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

प्रधानमंत्री मोदी के स्मार्ट पुलिसिंग विजन को जीवन का मूलमंत्र बनाएं पुलिसकर्मीः योगी

» लखनऊ, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि प्रत्येक पुलिस अधिकारी और कर्मी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्मार्ट पुलिसिंग विजन को अपने जीवन का मूलमंत्र बनाना चाहिए। सीएम योगी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के सम्मेलन पुलिस मंथन-2025 को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश को स्मार्ट पुलिसिंग का विजन दिया है। सख्त और संवेदनशील, आधुनिक और गतिशील, सतर्क और जवाबदेह, विश्वसनीय और उत्तरदायी, तकनीक-प्रेमी और प्रशिक्षित प्रत्येक पुलिस अधिकारी और कर्मी को इसे अपने जीवन का मूलमंत्र बनाना चाहिए।

उन्होंने राज्य में कानून का शासन स्थापित करने के लिए यूपी पुलिस को बधाई देते हुए कहा कि कानून के शासन के कारण ही देश के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य के नागरिक पहले की असुरक्षा की भावना की तुलना में सुरक्षा की भावना का आनंद ले रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानून के इस शासन को कायम रखने और भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमें खुद को अपडेट करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि दो दिवसीय सम्मेलन में हुई चर्चाएं प्रधानमंत्री मोदी के स्मार्ट पुलिसिंग और विजन 2047, विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किस प्रकार की आधुनिक, संवेदनशील और प्रभावी पुलिस व्यवस्था की आवश्यकता है? इस दिशा में पिछले दो दिनों में तैयार किया गया रोडमैप अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने सुझाव दिया कि इस सम्मेलन को एक स्थायी मंच बनाने के लिए हर साल आयोजित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लगभग 55 वक्ताओं द्वारा 11 सत्रों के माध्यम से प्रस्तुत किए गए विचार, अनुभव और सुझाव उत्तर प्रदेश पुलिस को अधिक आधुनिक, संवेदनशील, प्रौद्योगिकी-सक्षम और जनविश्वास पर आधारित बनाने में मील का पत्थर साबित होंगे।

संक्षिप्त खबरें

अफीम सहित एक करोड़ से अधिक मूल्य की प्रतिबंधित सामग्री जब्त

गुवाहाटी, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। असम के कार्बी आंगलोंग जिले में अफीम सहित एक करोड़ से अधिक मूल्य की प्रतिबंधित सामग्री जब्त की गई है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इसकी जानकारी दी। शर्मा ने हालांकि नहीं बताया कि इस दौरान किसी को गिरफ्तार किया गया या नहीं। उन्होंने लिखा, चाहे आप कार्बी आंगलोंग के हाइजेनबर्ग हों जिसके पास 1.2 करोड़ रुपये कीमत की 19 किलोग्राम अफीम है या आपके पास संदिग्ध रूप से म्यांमा की सिगरेट की 40 पेटियां हैं, असम पुलिस आपको ढूंढ लेगी और पकड़ लेगी। उन्होंने हाइजेनबर्ग शब्द का इस्तेमाल अमेरिकी अपराध श्रृंखला ब्रेकिंग बैड के काल्पनिक पात्र वॉल्टर हार्टवेल व्हाइट सीनियर के संदर्भ में किया।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इलेक्ट्रिक कृषि ट्रैक्टर परीक्षण संहिता जारी किया

नई दिल्ली यूटर्न/ 28 दिसम्बर। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी ने प्रगति मैदान के भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस 2025 समारोह में इलेक्ट्रिक कृषि ट्रैक्टर परीक्षण संहिता जारी किया। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा विकसित यह भारतीय मानक इलेक्ट्रिक कृषि ट्रैक्टर के परीक्षण के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार करता है, जिसका लक्ष्य समान और मानकीकृत प्रक्रियाओं के माध्यम से उनकी सुरक्षा, विश्वसनीयता और प्रदर्शन सुनिश्चित करना है। अधिकारियों ने कहा कि यह नयी परीक्षण संहिता ऐसे समय में मूल्यांकन में निरंतरता लाने में मदद करेगी जब इलेक्ट्रिक ट्रैक्टर भारत के कृषि मशीनीकरण परिदृश्य का एक प्रमुख घटक बनकर उभर रहे हैं।

संगीत की छोटी पहल से लोकप्रिय हुई गीतांजलि आईआईएससी : मोदी

» नई दिल्ली यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि है इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस में एक छोटी-सी संगीत पहल हुई जो अब गीतांजलि आईआईएससी के नाम से लोकप्रिय है। श्री मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम म्रमन की बात की 129वीं कड़ी में रविवार को कहा आपने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस का नाम तो जरूर सुना होगा। शोध और नवाचार इस संस्थान की पहचान है।

कुछ साल पहले वहाँ के कुछ छात्रों ने महसूस किया कि पढ़ाई और शोध के बीच संगीत के लिए भी जगह होनी चाहिए। बस यहीं से एक छोटी-सी संगीत कक्षा शुरू हुई। ना बड़ा मंच, ना कोई बड़ा बजट। धीरे-धीरे ये पहल बढ़ती गई और आज इसे हम गीतांजलि आईआईएससी के नाम से जानते हैं। यह अब सिर्फ एक कक्षा नहीं, परिसर का सांस्कृतिक केंद्र है। यहाँ हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत है, लोक परंपराएँ हैं, शास्त्रीय विधाएं हैं, छात्र यहाँ साथ बैठकर रियाज करते हैं। प्रोफेसर साथ बैठते हैं, उनके परिवार भी जुड़ते हैं। आज दो-सौ से ज्यादा लोग इससे जुड़े हैं। और खास बात ये कि जो विदेश चले गए, वो भी ऑनलाइन जुड़कर इस समूह की डोर थामे हुए हैं।

उन्होंने कहा अपनी जड़ों से जुड़े रहने के ये प्रयास सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। दुनिया के अलग-अलग कोनों और वहाँ बसे भारतीय भी अपनी भूमिका निभा रहे हैं। एक और उदाहरण जो हमें देश से बाहर ले जाता है - ये जगह है दुबई। वहाँ रहने वाले कन्नड़ परिवारों ने खुद से एक जरूरी सवाल पूछा - हमारे बच्चे टेक -वर्ल्ड में आगे तो बढ़ रहें हैं, लेकिन कहीं वो अपनी भाषा से दूर तो नहीं हो रहे हैं?

ओडिशा की पार्वती गिरि जैसी भूली बिसरी विभूति को याद करेगा देश

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा की पार्वती गिरि के आजादी के आंदोलन में दिए योगदान को याद करते हुए कहा है कि उनकी तरह असंख्य स्वतंत्रता सेनानी हैं जिन्हें वह सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार हैं। श्री मोदी ने रविवार को आकाशवाणी से प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम मन की बात की 129वीं कड़ी में कहा कि अगले महीने देश का 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा। जब भी ऐसे अवसर आते हैं, तो हमारा मन स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निर्माताओं के प्रति कृतज्ञता के भाव से भर जाता है।

शी के बच्चे संस्कृति के प्रसार का कर रहे है सराहनीय कार्य

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिल भाषा और उसके साहित्य की समृद्धि की प्रशंसा करते हुए कहा है कि दुनिया की इस प्राचीन भाषा को सीखने का कार्य उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी के बच्चे जिस उत्साह के साथ कर रहे हैं, वह संस्कृति के प्रसार का उनका अत्यंत सराहनीय कार्य है। श्री मोदी ने रविवार को आकाशवाणी से प्रसारित अपने मासिक कार्यक्रम मन की बातह्व की 129वीं कड़ी के प्रसारण में कहा देश के भीतर तमिल भाषा के प्रचार के लिए लगातार काम हो रहा है।

तीन नक्सलियों ने पुलिस महानिदेशक के सामने किया आत्मसमर्पण

मुंगेर, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। बिहार पुलिस को रविवार को नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कामयाबी मिली है, जब मुंगेर में तीन इनामी नक्सलियों ने राज्य के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में तीन-तीन लाख रुपए के इनामी नक्सली नारायण कोड़ा और बहादुर कोड़ा भी शामिल हैं। इन नक्सलियों ने भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी पुलिस के समक्ष प्रस्तुत किए हैं। बताया गया कि सरकार की आत्मसमर्पण-सह-पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर एवं सुरक्षा बलों के लगातार अभियान और जन सहयोग के कारण मुंगेर जिले के नक्सल प्रभावित खड़गपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत आरएसके कॉलेज परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान तीन नक्सलियों ने सशस्त्र आत्मसमर्पण किया। कार्यक्रम में बिहार के डीजीपी विनय कुमार, एडीजी हेडक्वार्टर सह लॉएंडऑर्डर कुंदन कृष्णन, एसटीएफ एसपी संजय सिंह सहित कई वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे। आत्मसमर्पण करने वालों में 23 नक्सली कांडों में फरार जोनल कमांडर नारायण कोड़ा, 24 नक्सली कांडों में फरार जोनल कमांडर बहादुर कोड़ा तथा तीन नक्सली कांडों में फरार दस्ता सदस्य बिनोद कोड़ा शामिल हैं।

वन सर्वे से दहशत, ऋषिकेश के हजारों परिवारों की पीड़ा सीएम तक पहुँची

» ऋषिकेश, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

उत्तराखंड के रिषीकेश में वन विभाग द्वारा उच्चतम न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए की जा रही सर्वे कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों की चिंता अब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तक पहुँच गई है। भाजपा जिला महामंत्री प्रतीक कालिया एवं राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल के नेतृत्व में आज स्थानीय नागरिकों ने देहरादून पहुँचकर मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि संबंधित क्षेत्रों में हजारों की संख्या में लोग वर्षों से निवास कर रहे हैं। लोगों ने अपनी जीवनभर की जमा-पूंजी लगाकर भूमि खरीदी तथा आवासों का निर्माण किया है। अचानक वन विभाग द्वारा की जा रही सर्वे कार्रवाई से क्षेत्र में भय और असमंजस का माहौल उत्पन्न हो गया है। भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री से मांग की कि जब तक सरकार द्वारा इस विषय पर ठोस नीति तैयार नहीं की जाती, तब तक वन विभाग की जमीनी कार्रवाई पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही मुख्य सचिव को इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करने का आग्रह किया गया।

कांग्रेस जल्द मानेगी भाजपा-संघ की विचारधारा को देशहितकारीः सहरावत

» नई दिल्ली यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह की टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हमलावर है। इसे लेकर भाजपा सांसदों ने कांग्रेस पर निशाना साधा है।

भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत करते हुए कहा, जनसंघ की स्थापना के समय शायद ही सोचा गया होगा कि हम विश्व की इतनी बड़ी पार्टी बनेंगे। विचारधारा को लेकर लगातार काम किया गया और कांग्रेस के नेता भी मान रहे हैं कि कार्यप्रणाली अच्छी है। कांग्रेस को आने वाले समय में यह भी मानना पड़ेगा कि भाजपा और संघ की विचारधारा देशहित में है। कांग्रेस के हर नेता और कार्यकर्ता के यही विचार होंगे। सेना के शौर्य पर सवालों को लेकर कमलजीत सहरावत ने विरोधियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान बोलने लायक नहीं है, लेकिन समस्या यह है कि भारत में ही कई विरोधियों ने अपनी सेना पर ही सवाल उठाए। सर्जिकल स्ट्राइक के दौरान विपक्ष ने सबूत मांगे थे। इसी तरह, ऑपरेशन सिंदूर के मामले में भी उन्होंने बार-बार सवाल उठाए।

भाजपा सांसद ने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की वह गाथा है, जिसमें देशवासियों की भावनाओं को समझते हुए सेना ने काम किया। देशवासियों को अपनी सेना के बयान पर भरोसा करके उसे मानना चाहिए और गर्व करना चाहिए।

महबूबा का विवादित बयान, हिंदुस्तान अब लिंचिस्तान में बदल गया

जम्मू, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष और पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती ने देश की मौजूदा स्थिति को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी और जवाहरलाल नेहरू द्वारा बनाए गए भारत में एक परेशान करने वाला बदलाव आया है। पीडीपी नेता महबूबा ने कहा, गांधी और नेहरू का हिंदुस्तान अब लिंचिस्तान में बदल गया है। उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में सामने आ रही भीड़ द्वारा हिंसा की घटनाओं पर गहरी चिंता जाहिर की है। उनके अनुसार, इस तरह की घटनाएं बेहद गंभीर हैं और लोगों की सुरक्षा तथा सम्मान के लिए सीधा खतरा हैं। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा ने कहा कि भारत के अलग-अलग राज्यों में हो रही ऐसी घटनाएं दिखाती हैं कि देश में भय और असहिष्णुता का माहौल बना हुआ है। उन्होंने कहा कि यह वातावरण न केवल समाज के लिए, बल्कि देश के भविष्य के लिए भी खतरनाक है। महबूबा ने यह टिप्पणी अनंतनाग में एक कार्यक्रम के दौरान कही।

कांग्रेस के स्थापना दिवस पर मल्लिकार्जुन खड़गे का भाजपा पर वार, बोले- जल, जंगल और जमीन खतरे में

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रविवार को नई दिल्ली के इंदिरा भवन में अपना 140वां स्थापना दिवस मनाया। इस दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फोटो साझा करते हुए लिखा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सीपीपी चेयरपर्सन सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में कांग्रेस स्थापना दिवस पर झंडा फहराया। हमें मिलकर कांग्रेस के विजन और विचारधारा को हर व्यक्ति तक पहुंचाना है। हमें सभी के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना है और एक समृद्ध भारत बनाना है। जय हिंद, जय कांग्रेस।

झंडा फहराने के बाद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कांग्रेस सदस्यों को स्थापना दिवस की बधाई दी और नए साल की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। पार्टी की शुरूआत दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस की स्थापना 28 दिसंबर 1885 को मुंबई में हुई थी और भारत की आजादी हासिल करने के लिए स्वतंत्रता संग्राम के दौरान लाखों कांग्रेस कार्यकताओं ने बलिदान दिया, जेल गए और कठिनाइयों का सामना किया।

खड़गे ने कांग्रेस के स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि महात्मा गांधी के नेतृत्व में पार्टी ने महिलाओं, गरीबों और समाज के सभी वर्गों के लोगों को राष्ट्रीय आंदोलन में एक साथ लाया। कांग्रेस का 1931 का कराची प्रस्ताव बाद में भारत के संविधान की नींव बना, लेकिन उन्होंने चेतावनी भी दी कि देश में लोकतंत्र अभी खतरे में है।

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस की संघ से तुलना नहीं की जा सकती, दिग्विजय के बयान पर बोलीं सुभाषिनी शरद यादव

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। कांग्रेस नेता सुभाषिनी शरद यादव ने कहा कि संघ और कांग्रेस पार्टी की तुलना नहीं हो सकती है। कांग्रेस जोड़ने और संघ तोड़ने का काम करती है। सुभाषिनी शरद यादव का यह बयान कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के एक्स पोस्ट के बाद आया है। नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत में उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने जो कहा वो उनके निजी विचार हैं। उन्होंने लगातार कांग्रेस को मजबूत करने का काम किया है और हम लोग उनके साथ खड़े हैं। उन्होंने कोई बात कही है तो विचार करने की जरूरत है। कांग्रेस पार्टी की संघ जैसे संगठनों से तुलना नहीं की जा सकती है। कांग्रेस जोड़ने का, जबकि संघ तोड़ने का काम करती है। कांग्रेस स्थापना दिवस पर कांग्रेस नेता सुभाषिनी शरद यादव ने कहा कि हम 141 साल पूरे कर रहे हैं और यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि कांग्रेस पार्टी देश की सबसे पुरानी पार्टी है। कांग्रेस पार्टी ने लगातार, सड़कों से लेकर संसद तक देश के लिए संघर्ष किया है। देश को मजबूत करने के लिए जिस भी तरह के काम की जरूरत थी, कांग्रेस पार्टी ने उसमें योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने तमाम अपने वरिष्ठ नेताओं के साथ स्थापना दिवस मनाया है।

आजादी की लड़ाई लड़ने वाली कांग्रेस ही बचा सकती है लोकतंत्र : राजेंद्र पाल गौतम

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के मौके पर कांग्रेस एससी डिपार्टमेंट के नेशनल चेयरमैन राजेंद्र पाल गौतम ने देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि आज भारत ग्लोबल मंच पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और इस मजबूत नींव को रखने में कांग्रेस पार्टी की ऐतिहासिक भूमिका रही है। कांग्रेस ने न सिर्फ आजादी की लड़ाई लड़ी, बल्कि एक आधुनिक भारत का सपना देखा और उसे साकार करने का काम किया।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस वह पार्टी है, जिसने देश को एम्स और आईआईटी जैसे संस्थान दिए, सैकड़ों पब्लिक सेक्टर यूनिट्स की स्थापना की और भारत की औद्योगिक व शैक्षणिक संरचना को मजबूत किया। कांग्रेस की नीतियों ने आम भारतीय को अधिकारों से जोड़ा, सूचना का अधिकार, खाद्य सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा का अधिकार, मनरेगा और जल, जंगल और जमीन पर अधिकार जैसे कानून इसी सोच का परिणाम हैं। इन कदमों से देश के गरीब, दलित, पिछड़े और वंचित वर्गों को सम्मान और सुरक्षा मिली। राजेंद्र पाल गौतम ने चिंता जताते हुए कहा कि पिछले 11-12 वर्षों में देश में धर्म के नाम पर नफरत बढ़ी है। जातीय आधार पर दलितों, पिछड़ों और वंचित वर्गों के खिलाफ उत्पीड़न बढ़ा है। देश के संसाधन पूंजीपतियों के हाथों में सौंपे जा रहे हैं, जिससे यह महसूस होता है कि हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निमार्ताओं के सपनों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस ने आजादी की लड़ाई लड़ी, कुर्बानियां दीं और देश को मजबूत आधार दिया। वहीं, भारतीय जनता पार्टी और उससे जुड़े संगठन, चाहे वह आरएसएस हो, हिंदू महासभा हो या जनसंघ, आजादी के आंदोलन में शामिल नहीं रहे। उनके लिए संविधान और लोकतंत्र का कमजोर होना चिंता का विषय नहीं रहा। लेकिन, जिस पार्टी ने आजादी की लड़ाई लड़ी, उसे देश के लोकतंत्र और संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी महसूस होती है। उन्होंने कहा कि आज देश को कांग्रेस की पहले से ज्यादा जरूरत है। कांग्रेस पूरी ईमानदारी और मजबूती के साथ संविधान और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। कांग्रेस कार्यकर्ता और आम लोग यह महसूस कर रहे हैं कि आने वाला समय कांग्रेस का है और देश को सही दिशा में ले जाने की जिम्मेदारी कांग्रेस ही निभा सकती है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, तीन कारों की टक्कर

नोएडा, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। ग्रेटर नोएडा के यमुना एक्सप्रेसवे पर शनिवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हो गया। जेवर से नोएडा की ओर जा रही तीन कारें आपस में टकरा गईं, जिसके बाद दो गाड़ियों में अचानक आग लग गई। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। लेकिन गाड़ियों में सवार लोगों ने सूझबूझ दिखाते हुए समय रहते बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली। गनीमत ये रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद यमुना एक्सप्रेसवे पर जाम लग गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंचीं। फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाने तक दोनों गाड़ियां पूरी तरह जलकर राख हो चुकी थीं. इस हादसे में दो लोगों को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को क्रेन की मदद से सड़क से हटवाया, जिसके बाद यमुना एक्सप्रेसवे पर यातायात को सुचारू कराया गया। प्रारंभिक जांच में हादसे की वजह तेज रफ्तार और आपसी टक्कर मानी जा रही है, हालांकि पुलिस द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।यमुना एक्सप्रेसवे पर आए दिन हो रहे ऐसे हादसे एक बार फिर सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

अरावली पर नई परि-भाषा को लेकर जयराम रमेश ने उठाए सवाल

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने रविवार को अरावली पहाड़ियों के विषय को लेकर केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव को पत्र लिखा। उन्होंने अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा को लेकर अपनी चिंताएं जाहिर कीं और इस संबंध में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री से चार सवाल पूछे हैं।

जयराम रमेश ने कहा कि अरावली पहाड़ियों की नई परिभाषा को लेकर काफी चिंताएं हैं, जो उन्हें 100 मीटर या उससे ज्यादा ऊंचाई वाले लैंडफॉर्म तक सीमित करती हैं। उन्होंने पत्र के जरिए केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव से पूछा, क्या यह सच नहीं है कि 2012 से राजस्थान में अरावली पहाड़ियों और रेंज की परिभाषा 28 अगस्त 2010 की फॉरेस्ट सर्वे ऑफ इंडिया (एफएसआई) की एक रिपोर्ट पर आधारित थी? रिपोर्ट का जिक्र करते हुए जयराम रमेश ने कहा, इसमें यह कहा गया था कि ऐसे सभी इलाके जिनका ढलान 3 डिग्री या उससे ज्यादा है, उन्हें पहाड़ियों के तौर पर दिखाया जाएगा। साथ ही ढलान वाली तरफ एक समान 100 मीटर चौड़ा बफर जोड़ा जाएगा, ताकि 20 मीटर की पहाड़ी ऊंचाई के हिसाब से संभावित फैलाव को ध्यान में रखा जा सके। इन बताए गए इलाकों में आने वाले समतल इलाके, टेबलटॉप, गड्ढे और घाटियां भी पहाड़ियों का हिस्सा मानी जाएंगी।

कांग्रेस नेता ने 20 सितंबर के एक एफएसआई कम्युनिकेशन का भी जिक्र किया, जिसमें छोटी पहाड़ियों की इकोलॉजिकल अहमियत पर जोर दिया गया था। उन्होंने एफएसआई कम्युनिकेशन का हवाला देते हुए लिखा, अरावली की छोटी पहाड़ी बनावट भारी रेत के कणों को रोककर रेगिस्तान बनने से रोकने के लिए नेचुरल बैरियर का काम करती है।

कांग्रेस में स्लीपर सेल पर दिग्विजय सिंह का तीखा हमला

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

शनिवार को देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के बयानों ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए पहचाने जाने वाले दिग्विजय सिंह ने पार्टी के आंतरिक हालात पर बेहद गंभीर सवाल खड़े किए। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने पार्टी आलाकमान को आगाह करते हुए कहा कि वर्तमान में कांग्रेस के भीतर कई स्लीपर सेल सक्रिय हैं, जो संगठन को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि पार्टी के भविष्य के लिए इन तत्वों की पहचान करना और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करना अनिवार्य है। बैठक के दौरान दिग्विजय सिंह ने न केवल आंतरिक गुटबाजी पर प्रहार किया, बल्कि संगठन की मजबूती के लिए सत्ता के विकेंद्रीकरण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने तर्क दिया कि जब तक निचले स्तर तक सत्ता और जिम्मेदारी का बंटवारा नहीं होगा, तब तक पार्टी जमीनी स्तर पर प्रभावी नहीं हो पाएगी। वरिष्ठ नेता की यह नसीहत सीधे तौर पर कांग्रेस के उस कमजोर पक्ष की ओर इशारा मानी जा रही है, जहाँ अक्सर समर्पित कैडर और स्थानीय नेताओं के सक्रिय जुड़ाव की कमी महसूस की जाती है। हालांकि, चर्चा के दौरान जब उन्होंने अपनी बात लंबी खींची, तो पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उन्हें टोकते हुए अपना संबोधन समाप्त करने को कहा, ताकि अन्य नेताओं की राय भी सुनी जा सके। पार्टी के भीतर दिग्विजय सिंह के इस रुख को लेकर दो तरह की राय उभर रही है। एक गुट उनकी स्पष्टवादिता का समर्थन कर रहा है, जबकि दूसरा खेमा इसे मध्य प्रदेश की आंतरिक राजनीति और उनके निजी राजनीतिक भविष्य से जोड़कर देख रहा है। विशेष रूप से मध्य प्रदेश में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ उनके मतभेदों की खबरें अक्सर चर्चा में रहती हैं। ऐसे में दिल्ली की बैठक में सिंह द्वारा उठाए गए मुद्दे आने वाले दिनों में कांग्रेस के भीतर बड़े संगठनात्मक बदलावों का संकेत दे सकते हैं। सीडब्ल्यूसी की इस बैठक से ठीक पहले दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पुरानी तस्वीर साझा कर नई बहस को जन्म दिया था।

अब कांग्रेस बनाम कांग्रेस चरम पर पहुंच चुका है : शहजाद पूनावाला

नई दिल्ली यूटर्न/ 28 दिसम्बर। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को लेकर एक पोस्ट किया था, जिसको लेकर बवाल जारी है। दिग्विजय सिंह के बयान को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने संगठन की तारीफ के रूप में देख रही है। इस बीच रविवार को भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने प्रतिक्रिया दी। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आईएएनएस से बात करते हुए कांग्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा, अब यह स्पष्ट हो चुका है कि कांग्रेस बनाम कांग्रेस चरम पर पहुंच चुका है। हमने पहले देखा कि शशि थरूर ने राहुल गांधी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पारित किया और उनकी बातों से किनारा किया। इसके बाद इमरान मसूद ने कहा कि प्रियंका लाओ, कांग्रेस बचाओ। मोहम्मद मोकिम ने भी यही कहा। अब दिग्विजय सिंह जो राहुल गांधी के मेंटर माने जाते हैं, उन्होंने एक नहीं बल्कि कई बार पोस्ट किया और कहा कि हमारा संगठन कमजोर है। उनके बयान बताते हैं कि कांग्रेस सेंट्रलाइज्ड है। उसमें कोई डेमोक्रेसी नहीं है। राहुल गांधी अपनी हार के कारण को स्वीकारना नहीं चाहते। सच का सामना करना नहीं चाहते। पूनेवाला ने कहा, दबाव के कारण दिग्विजय सिंह ने अपने बयान को थोड़ा-बहुत बदल दिया, लेकिन मूलभाव यह है कि राहुल गांधी के साथ जनमत नहीं है। उनके नेतृत्व में पार्टी करीब 95 चुनाव हारी। न संगत है, उमर अब्दुल्ला से लेकर लेफ्ट और समाजवादी पार्टी के लोग राहुल गांधी से इत्तेफाक नहीं रखते। अब उनके ही घर और परिवार वाले भी उनके साथ नहीं हैं।

प्रतिनिधिमंडल ने डीसी मुनीश नागपाल से की शिष्टाचार भेंट

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। पंचनद स्मारक ट्रस्ट युवा इकाई के जिलाध्यक्ष निक्सन जसूजा की एवं साहिल चराया की अगवाई में सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधिमंडल ने जिला उपायुक्त चरखी दादरी आईएएस डॉ. मुनीश नागपाल से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल ने जिले में हो रहे विकास कार्यों के लिए जिला उपायुक्त का आभार व्यक्त किया।

मुलाकात के दौरान विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें पंजाबी सभा आदर्श धर्मशाला के प्रधान साहिल चराया, सारथी सेवा समिति के प्रधान वासुदेव आनंद, पंचनंद स्मारक ट्रस्ट के आजीवन सदस्य मास्टर श्याम सुंदर चाबा, सनातन धर्म सभा रंगीला हनुमान मंदिर से नंदलाल ठुकराल, पंचनद गौशाला समिति के प्रधान रामदयाल पाहवा, अन्नपूर्णा धर्मशाला खाटू श्याम जी के प्रधान जगदीश जुनेजा, श्री गुरु नानक देव सत्संग सभा के प्रधान राकेश अरोड़ा सहित पंचनद महिला मंडल की सदस्याएं भी शामिल रहीं।

निक्सन जसूजा ने जिला उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल के सरल, सहयोगात्मक व्यवहार और जनहित में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन के सकारात्मक प्रयासों से आमजन को लाभ मिल रहा है और विकास कार्यों को नई दिशा मिली है।

जिला उपायुक्त डॉ. मुनीश नागपाल ने सभी सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयासों से ही जिले का सर्वांगीण विकास संभव है।

इस अवसर पर सुरेन्द्र चराया, ज्ञान सचदेवा, प्रवीण मुंजाल, साहिल वधवा, राहुल नारंग, आशीष सलूजा, अभी ठुकराल, केशव चाबा, धीरज बगई, दीपक कुकरेजा, अनिल ग्रोवर, कनु मदान, अखिल पाहवा, जॉनी पाहवा, डा संजीव मडिया, हेमंत चौटानी, रिदम चौटानी, साहिल मुंजाल सहित अनेकों गणमान्य जन उपस्थित रहे।

प्रेमी से गर्भवती होने के शक में कानपुर में जेल से रिहा युवक ने पत्नी को मार डाला : तलाश जारी

पहली पत्नी की हत्या में भी जेल जा चुका है आरोपी

» सुनील बाजपेई

कानपुर, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। अपने प्रेमी से चार माह की गर्भवती होने के शक में एक युवक ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। वह इसके पहले पहली पत्नी की हत्या में भी जेल जा चुका है और हाल में ही वहां से रिहा होने के बाद इस घटना को अंजाम दिया, जिसके बाद फरार होने की दशा में पुलिस उसकी तलाश कर रही है। यह घटना गोविंद नगर थाना क्षेत्र के गुजैनी में हुई, यहां पहली पत्नी की आत्महत्या में जेल जा चुके पति ने दूसरी गर्भवती पत्नी को भी मार डाला। खून से लथपथ शव मकान की पहली मंजिल में पीछे के कमरे में फर्श पर पड़ा मिला, जबकि मेनगेट पर ताला लगा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने बताया कि सिर पर भारी वस्तु से प्रहार के निशान थे और आसपास रखे बर्तन व सामान खून से सने थे। बड़ी बात यह है कि एक साल पहले ही उसकी दूसरी शादी हुई थी लेकिन विवाद के चलते एक माह से वह पत्नी से अलग रह रहा था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि दूसरी पत्नी रोशनी 4 माह की गर्भवती थी जिस पर उसके पति संजय को शक था कि वह उससे नहीं बल्कि अपने प्रेमी से गर्भवती है और उसके इसी शक ने उसकी हत्या करवा दी। डीसीपी दक्षिण, एडीसीपी, एसीपी बाबूपुरवा और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। घटना के बारे में प्राप्त विवरण के अनुसार रेऊना थानाक्षेत्र के अकबरपुर झवैया निवासी 25 वर्षीय रोशनी की शादी आठ दिसंबर 2024 को गड़रियन पुरवा स्थित मेटल फैक्ट्री में काम करने वाले गुजैनी एफ ब्लाक निवासी संजय कुमार के साथ हुई थी।

हमें अपनी माटी अपने धरोहर को बचाने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए- वेद सिंह दहिया

हरियाणा, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। हड़प्पा संस्कृति एवं ऐतिहासिक धरोहर राखीगढ़ी (हिसार) में आयोजित तीन दिवसीय ह्यमाटी से महोत्सव तकह्न कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कर कमलों द्वारा किया गया। इस महोत्सव के पहले दिन क्विज प्रतियोगिता आयोजित करवाई गई। इस प्रतियोगिता में हिसार के नौ ब्लॉकों की टीमें पहुंची। जिसमें आरोही मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय घिराय की 12वीं कक्षा की छात्राएं रितिका, सोनू व मनीता की टीम ने क्विज में जिला स्तर पर प्रथम स्थान हासिल किया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी वेद सिंह दहिया ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह एक ऐतिहासिक विषय पर आधारित क्विज थी, जिसमें विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान प्राप्त करके अपनी अद्भुत प्रतिभा का परिचय दिया है। कार्यक्रम के पदाधिकारियों द्वारा विजित टीम को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी वेद सिंह दहिया ने कहा कि हमें अपनी माटी अपने देश अपनी संस्कृति को बचाने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। विद्यालय प्राचार्या श्रीमती डॉ मोनिका शर्मा, संस्कृत प्रवक्ता डॉ कर्मवीर, संजय शर्मा एवं सभी स्टाफ सदस्यों ने विजित टीम को शुभकामनाएं देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

जेठा रविवार मां भगवती का अति प्रिय, इस दिन कन्याओं का पूजन करने से जन्मकुंडली के कई दोष समाप्त हो जाते है : श्रीमहंत बंशी पुरी महाराज

» वैद्य प्रमोद कौशिक

पिहोवा, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। पिहोवा के श्री गोविंदानंद ठाकुर द्वारा आश्रम में आज महामंडलेश्वर 1008 स्वामी विद्यागिरि जी महाराज, श्रीमहंत बंशी पुरी जी महाराज के मार्गदर्शन में आश्रम की महंत सर्वेश्वरी गिरि के सानिध्य में कन्या पूजन मासिक भंडारा आयोजित किया गया।

महंत सर्वेश्वरी गिरि जी महाराज ने बताया कि पिछले कई वर्षो से प्रत्येक मास के जेठे रविवार को मां भगवती के स्वरूप में सैंकड़ों कन्याओं का आश्रम परिसर में पूजन किया जाता है और फल दक्षिणा के साथ जरूरतमंद कन्याओं को समय समय पर गर्मी, सर्दी के वस्त्र जूते व शिक्षा के लिए पुस्तकें इत्यादि वितरित की जाती है।

महंत सर्वेश्वरी गिरि जी महाराज ने श्रद्धालु जनों को आज कन्याओं के पूजन गोमाता सेवा कर पुण्य अर्जित विषय में आमजन को जानकारी दी और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी और बताया की सत्य के मार्ग पर चलने वाला इंसान तनावमुक्त के साथ रोगमुक्त भी रहता है।

श्रीमहंत बंशी पुरी जी महाराज ने बताया कि आज जेठे रविवार को मां भगवती का श्रेष्ठ दिन होता है। इस दिन व्यवसाय से जुड़े लोग माँ लक्ष्मी की पूजा-अर्चना करते हैं इस दिन कन्याओं का पूजन से जन्मकुंडली के कई दोष समाप्त हो जाते है।

माना जाता है कि इस दिन की गई पूजा से साधक के सौभाग्य में वृद्धि होती है और उसे माँ लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है। इस अवसर पर श्रीमहंत बंशी पुरी जी महाराज, महंत सर्वेश्वरी गिरि महाराज, के साथ यजमानों ने कन्या पूजन किया साथ ही संत समाज भी उपस्थित रहा। आज के मुख्य यजमान राजेंद्र गोयल लुधियाना, सचिन तायल पटियाला, मनीष रिंकू जिंदल सिन्नोर, सुनील मित्तल करनाल, गोयल परिवार सहित रहे। कार्यक्रम में षडदर्शन साधुसमाज के संगठन सचिव वैद्य पण्डित प्रमोद कौशिक, डॉ. संजीव कुमारी, सानवी, प्रधान बारु राम बंसल, गुलशन परवंदा, लव छाबड़ा अनन्य मित्तल अधिवक्ता, सतीश धवन, यश भास्कर, उमेश गर्ग इत्यादि काफी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आश्रम में आई कन्याओं का पूजन किया गया और भंडारा प्रसाद वितरित किया गया।

बाबा बालक नाथ जी की 32वीं पैदल यात्रा रवाना

जय बाबे दी-जय माता दी के जयघोष से गूंज उठा मंदिर

» **हरियाणा, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

तरसेम नगर स्थित सिद्ध बाबा बालक नाथ एवं दुर्गा माता मंदिर से आज सुबह 32वीं पैदल यात्रा लुधियाना के लिए रवाना हुई। पैदल यात्रा मंदिर के मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता के नेतृत्व में शुरू हुई। यात्रा के शुभारंभ के अवसर पर मंदिर प्रांगण जय बाबे दी, जय माता दी के जयघोष से गूंज उठा। पैदल यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला।

इस पैदल यात्रा में सैंकड़ों की संख्या में पुरुष, बच्चे, बुजुर्ग व महिला श्रद्धालु शामिल थे। पैदल यात्रा से पूर्व श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मंदिर के मुख्य सेवक रामचरण गुप्ता ने कहा कि हमें भगवान के नाम का सच्चे मन से सिमरन करना चाहिए, न कि किसी की निंदा या चुगली। उन्होंने कहा कि यदि हम सत्संग में बैठकर भी निंदा-चुगली करते हैं तो ऐसे सत्संग में बैठने का कोई लाभ नहीं रहता।

उन्होंने श्रद्धालुओं से सच्चे मन से भगवान का सिमरन करने का आह्वान किया। पैदल यात्रा का यह जत्था हिसार से लुधियाना तक भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़ेगा। नववर्ष के अवसर पर 3 जनवरी को यह पैदल यात्रा लुधियाना की घुमार मंडी स्थित सिद्ध बाबा बालक नाथ मंदिर पहुंचेगी।लुधियाना पहुंचने पर पैदल यात्रा का भगत संजीव कुमार जी महाराज द्वारा बाबा बालक नाथ जी की भेंट से श्रद्धालुओं का स्वागत किया किया जाएगा।

हिसार से चला बाबा बालक नाथ जी का झंडा 3 जनवरी को लुधियाना मंदिर में पहुंचने पर भगत संजीव कुमार जी महाराज द्वारा चढ़ाया जाएगा। इसके बाद श्रद्धालुओं का जत्था भगत संजीव कुमार जी महाराज के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश के शाहतलाई स्थित बाबा बालक नाथ जी की गुफा के लिए रवाना होगा।

हैदरपुर जल शोधन संयंत्र में अब तक पहुंचे कुल 35 शव, 20 की पहचान हो पाई

» नई दिल्ली यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

दिल्ली के हैदरपुर जल शोधन संयंत्र (डब्ल्यूटीपी) में हाल ही में एक गंभीर समस्या सामने आई है। इस साल अब तक प्लांट से कुल 35 शव बरामद हो चुके हैं, जो पिछले चार वर्षों में सबसे अधिक संख्या है। पुलिस के अनुसार, हर महीने औसतन दो से तीन शव प्लांट में मिलते हैं। अधिकांश शव मुनक नहर के जरिए दिल्ली पहुँचते हैं।

यह नहर हरियाणा से कच्चा पानी लेकर आती है और इसमें कई हिस्सों में फिल्टर या जालियां नहीं लगी हैं, जिसके कारण शव हैदरपुर प्लांट तक आकर फिल्टर सिस्टम में फंस जाते हैं। मुनक नहर कुल 102 किलोमीटर लंबी है और यह करनाल से यमुना का पानी लेकर दक्षिण की ओर बढ़ती हुई हैदरपुर प्लांट पर समाप्त होती है। पुलिस ने बताया कि हरियाणा से शवों को नहर के रास्ते दिल्ली तक आने में कई दिन लगाते हैं। इस दौरान शव काफी सड़ जाते हैं, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है। इस साल बरामद 35 शवों में से 20 की पहचान हो पाई है, जबकि 15 शवों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। इसमें डूबना, आत्महत्या, हत्या और प्राकृतिक कारणों से हुई मौतें शामिल हैं।

पुलिस ने सुरक्षा बढ़ाने और निगरानी कड़ी करने के कदम उठाए हैं। हैदरपुर प्लांट के अधिकारियों से अतिरिक्त गार्ड तैनात करने और निगरानी बढ़ाने को कहा गया है। पुलिस के स्टाफ का अधिकांश समय शवों को बाहर निकालने, उनकी पहचान करने और मौत के कारणों की जांच करने में ही व्यतीत होता है।

हाल ही में एक हत्या का मामला सामने आया, जिसमें दो युवकों ने अपने ही किशोर दोस्त की हत्या कर शव नहर में फेंका था। मृतक के हाथ-पैर जूतों के फीतों से बंधे थे और सिर पर गंभीर घाव थे।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

कांग्रेस के खत्म होने का उनका सपना कभी पूरा नहीं होगा : खरगे

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि कांग्रेस का आधार जोड़ने वाली विचारधारा है और जो इसके खत्म होने का सपना देखते हैं उनकी मुराद कभी पूरी नहीं होगी और उन्हें समझ लेना चाहिए कि कांग्रेस की सोच जोड़ती है और भाजपा की तोड़ती है। श्री खरगे ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा आज स्थापना दिवस पर एक बात साफ कहना चाहता हूँ, जो कहते हैं कांग्रेस खत्म हो गई है मैं उन्हें बताना चाहता हूँ, हमारे पास सत्ता कम हो सकती है, लेकिन हमारी रीढ़ अभी भी सीधी है। हमने समझौता नहीं किया, न संविधान से, न धर्मनिरपेक्षता से और न गरीब के हक से। हम सत्ता में न हों, लेकिन सौदेबाजी नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी धर्म के नाम पर वोट नहीं माँगा और न कभी मंदिर मस्जिद से नफरत फैलाई। कांग्रेस जोड़ती है जबकि भाजपा तोड़ती है। कांग्रेस ने धर्म को आस्था ही रखा पर कुछ लोगों ने धर्म को राजनीति बना दिया। आज भजपा के पास सत्ता है लेकिन उनके पास सच्चाई नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा तोड़ने का काम करती है और इसीलिए कभी आंकड़े छुपाए जाते हैं, कभी जनगणना रोकी जाती है, कभी संविधान बदलने की बातें होती हैं और जो लोग आज इतिहास पर भाषण दे रहे हैं, उनके पूर्वज इतिहास से भाग रहे थे। कांग्रेस विचारधारा है और विचारधाराएँ कभी मरती नहीं हैं। श्री खरगे ने एक और पोस्ट में कहा कि 2025 महात्मा गाँधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने की शताब्दी था, संविधान को स्वीकार किए जाने का 75 वर्ष था, वंदे मातरम्‌ की 150वीं जयंती है जबकि 2026 का वर्ष दादाभाई नौरोजी की 200वीं जयंती, सरोजिनी नायडू के कांग्रेस अध्यक्ष बनने का शताब्दी वर्ष, झंडा ऊँचा रहे हमारा गीत की भी शताब्दी है।

एनजीटी ने दिल्ली के साकेत में जंगल पर अतिक्रमण को लेकर नई इंस्पेक्शन रिपोर्ट मांगी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने साउथ दिल्ली में प्रेस एन्क्लेव और साकेत स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बीच लगभग छह हेक्टेयर जंगल की जमीन पर कथित अतिक्रमण की फिर से जांच कर रिपोर्ट मांगी है। चेयरपर्सन जस्टिस प्रकाश श्रीवास्तव की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि अब तक पेश की गई रिपोर्ट में कथित जंगल जमीन की स्थिति साफ तौर पर नहीं बताई गई है।

एनजीटी ने कहा, पेश की गई रिपोर्ट में प्रेस एन्क्लेव और साकेत स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बीच कथित जंगल जमीन की स्थिति का खुलासा नहीं होता है और नई जांच करने के लिए चार हफ्ते का समय दिया गया है।

एक रिपोर्ट के आधार पर दर्ज किए गए मामले पर एनजीटी स्वतः संज्ञान लेकर मामले की सुनवाई कर रही थी, जिसमें बताया गया था कि साकेत जंगल इलाके में लगभग 500 झुग्गियां बन गई हैं, जिससे लगभग छह हेक्टेयर जमीन पर कब्जा हो गया है। एनजीटी ने कहा कि पहले जवाब देने वाले यह नहीं बता पाए कि प्रेस एन्क्लेव और साकेत स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बीच छह हेक्टेयर इलाके से जुड़ी रिपोर्ट में बताई गई जमीन जंगल की जमीन थी या नहीं और निर्देश दिया कि नई रिपोर्ट में जांचे गए खसरा नंबरों की पूरी जानकारी शामिल होनी चाहिए।

इस मामले की अगली सुनवाई 16 मार्च 2026 को होगी। इससे पहले, इस साल सितंबर में, ग्रीन ट्रिब्यूनल ने दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी (डीडीए) द्वारा दायर एक रिपोर्ट पर ध्यान दिया था, जिसमें कहा गया था कि यह जमीन दिल्ली डेवलपमेंट एक्ट के तहत 1979 में जारी एक नोटिफिकेशन के तहत पैकेज डील के हिस्से के रूप में उसे ट्रांसफर की गई थी। डीडीए ने यह भी बताया था कि साइट पर अवैध निर्माण मौजूद हैं, जिनमें एक कब्रिस्तान, अस्थायी शेड, कबाड़ी वालों का कब्जा और कुछ झुग्गियां शामिल हैं।

डीडीए ने एनजीटी को साकेत जिला अदालत और दिल्ली हाई कोर्ट में इलाके से जुड़े पेंडिंग मुकदमों के बारे में भी बताया था, जिसमें एक ऐसा मामला भी शामिल था, जिसमें 2015 में तोड़फोड़ पर रोक लगाई गई थी।

जस्टिस श्रीवास्तव की बेंच ने तब डीडीए को उन मामलों की नवीन स्थिति रिकॉर्ड पर रखने का निर्देश दिया था।

शराब हर साल 8 लाख यूरोपीय लोगों की जान ले रही: डब्ल्यूएचओ की चेतावनी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

विश्वस्वास्थ्यसंगठन(डब्ल्यूएचओ) ने यूरोप में शराब के बढ़ते और घातक प्रभावों को लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। संगठन के अनुसार, यूरोप क्षेत्र में हर साल लगभग 8 लाख लोगों की मौत शराब के सेवन से जुड़ी बीमारियों और दुर्घटनाओं के कारण हो रही है। यह आंकड़ा न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट की ओर इशारा करता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक स्तर पर भी गहरे प्रभावों को उजागर करता है। 2019 डेटा (जो लेटेस्ट आंकड़ा है)

को आधार बना डब्ल्यूएचओ ने ये भयावह सच उजागर किया है। इसके मुताबिक यूरोप में लगभग 1,45,000 लोगों की मौत शराब पीकर लगी चोट की वजह से हुई। संगठन के अनुसार, शराब पीना आपसी हिंसा से भी जुड़ा हुआ है, जिसमें हमले और घरेलू हिंसा शामिल हैं, और इसे पूरे यूरोप में हिंसक चोटों से होने वाली मौतों का एक बड़ा कारण माना गया है। डब्ल्यूएचओ/यूरोप में अल्कोहल, गैर-कानूनी ड्रग्स और जेल हेल्थ की रीजनल एडवाइजर कैरिना फरेरा-बोर्गेस ने बताया, ह्वशराब एक जहरीली चीज है जो न सिर्फ 7 तरह के कैंसर और दूसरी नॉन-कम्युनिकेबल बीमारियां (एनसीडी) पैदा करती है, बल्कि यह फैसले लेने और खुद पर कंट्रोल करने की क्षमता को भी कम करती है, रिएक्शन टाइम को धीमा करती है, तालमेल कम करती है और रिस्क लेने की आदत को बढ़ावा देती है।

डीएसएसएसबी परीक्षा पर रोक, बढ़ सकती है आयु सीमा; सरकार कर रही समीक्षा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। दिल्ली सरकार दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड (डीएसएसएसबी) के तहत शिक्षक भर्ती के लिए आयु सीमा बढ़ाने पर विचार कर रही है। जब तक इस पर कोई फैसला नहीं होता तब तक शिक्षक भर्ती के लिए परीक्षा नहीं कराई जाएगी। बीते साल आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली के सरकारी स्कूलों में पीजीटी पदों पर आवेदन करने की आयु सीमा को 36 साल से घटा कर 30 साल कर दिया था। इससे हजारों गेस्ट शिक्षकों को नुकसान हो रहा था। आयु सीमा में बदलाव के कारण कई उम्मीदवार परीक्षा देने से छूट रहे थे। बदलाव होने के बाद से परीक्षार्थी आयु सीमा बढ़ाने की मांग कर रहे थे। ऐसे में अब दिल्ली सरकार ने इस पर ध्यान दिया है। मार्च में परीक्षा होनी थी। शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड के परीक्षा कराने के आदेश को रोक दिया गया है। परीक्षा के लिए नई तिथि तब जारी की जाएगी जब आयु सीमा में बदलाव कर शिक्षकों को राहत दी जाएगी। अब तब तक परीक्षा नहीं होगी जब तक आयु सीमा में बदलाव को लेकर नया आदेश नहीं आ जाता। शिक्षा मंत्री ने कहा कि छात्रों के हित को ध्यान में रखकर ही यह फैसला लिया गया है। सरकार के इस फैसले से उन उम्मीदवारों को मौका मिलेगा जो उम्र सीमा के कारण परीक्षा देने से छूट रहे थे। ऑल इंडिया गेस्ट टीचर्स एसोसिएशन के महासचिव शोएब राणा ने कहा कि यदि आयु सीमा में बढ़ोतरी होगी तो युवा और गेस्ट टीचर्स को बड़ी राहत मिलेगी। हम लंबे समय से आयु सीमा घटाने को लेकर विरोध कर रहे हैं। शिक्षक भर्ती की उम्र सीमा 30, 32, और 36 से घटाकर 30 कर दी गई थी। इस कारण से हजारों की संख्या में योग्य उम्मीदवार घर बैठे ही ओवर एज हो गए थे जबकि पड़ोसी राज्यों में शिक्षक भर्ती की उम्र सीमा 40 साल या उससे ज्यादा है।

नोएडा के सेक्टर 142 डंपिंग यार्ड में मिला महिला का शव, पुलिस कर रही पहचान

नोएडा,यूटर्न/ 28 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेक्टर 142 थाना इलाके के डंपिंग यार्ड में एक अज्ञात महिला का शव कूड़े के ढेर में मिला है। मृतका की उम्र करीब 22 से 25 साल के बीच बताई जा रही है। उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इस घटना की सूचना मिलते ही फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि महिला की हत्या कर शव को कूड़े में फेंकने की संभावना है, लेकिन इसकी पुष्टि जांच के बाद की जाएगी। एडीसीपी सेंट्रल नोएडा संतोष कुमार ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि शव की शिनाख्त अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के लोगों से जानकारी लेकर मृतका की पहचान करने का प्रयास कर रही है। इस मामले में पुलिस ने अपराध की वजह, हत्या के तरीके और आरोपी की पहचान को लेकर अपनी जांच तेज कर दी है। यह मामला सेक्टर 142 थाना क्षेत्र का है और पुलिस पूरी कोशिश कर रही है कि जल्द से जल्द महिला की पहचान हो सके और आरोपियों को गिरफ्तार किया जा सके। संतोष कुमार ने बताया कि महिला का शव बैग में बंद था और हाथ-पैर बांधे हुए थे, जिससे हत्या की आशंका जताई जा रही है।

दिल्ली में रंजिशन हत्या, पड़ोसी को मारी गोली

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के करावल नगर में शुक्रवार की शाम युवक को गोली मारने का आरोपी अभी भी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस की तीन टीम उसकी तलाश कर रही है। छानबीन में पुलिस को पता चला कि दोनों परिवारों के बीच कुत्ते को लेकर विवाद हुआ था।

दरअसल, एक परिवार के कुत्ते पड़ोसी के दरवाजे पर गंदगी कर रहे थे। इस बात को लेकर दोनों परिवारों के बीच पहले भी विवाद हुआ था। वहीं आरोप यह भी है कि पीड़ित परिवार जानबूझकर गली में गाड़ी पार्क करने के बाद रास्ता बंद कर देता था। ऐसे में दूसरे परिवार को गाड़ी लेकर निकलने में वहां से दिक्कत होती थी।

शुक्रवार हुए झगड़े के बाद आरोपी परिवार ने गोली मारकर प्रिंस (19) को जख्मी कर दिया। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि प्रिंस अपने परिवार के साथ ईस्ट नत्थू कालोनी, ज्योति नगर में रहता है। इसके मामा गली नंबर-6, प्रेम विहार, करावल नगर में रहते हैं। शुक्रवार शाम को प्रिंस अपने मामा के घर पर आया हुआ था। इस बीच मामा का पड़ोसियों से विवाद होने लगा।

प्रिंस घर से बाहर निकला तो विवाद में मारपीट होने लगी। इस बीच मामा के पड़ोसियों ने पिस्टल निकालकर गोली चला दी। गोली प्रिंस को लगी और वह जख्मी हो गया। बाद में उसे जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। खबर मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला कि गोली चलाने वाला पक्ष मौके से फरार हो गया है।

निवेश के बहाने 1.08 करोड़ रुपये की ठगी में एक आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। शेयर बाजार में निवेश के बहाने 1.08 करोड़ रुपये की ठगी में एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी बलराम यूपी रामपुर का रहने वाला है। साइबर क्राइम थाना एनआईटी की टीम ने उसे मथुरा से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी खाताधारक है। इसने एक फर्म के नाम से खाता खुलवाया और ठगों को दिया। इस खाते में ठगी के 5 लाख रुपये आए थे। आरोपी नारियल पानी की दुकान लगाता है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि आरोपी को 4 दिन के रिमांड पर लेकर साइबर क्राइम थाना एनआईटी की टीम पूछताछ कर रही है। ठगी को लेकर पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-21 निवासी व्यक्ति ने बताया कि उनके व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया। मैसेज भेजने वाले ने खुद को बैंक का कर्मचारी बताया। इसके बाद जालसाज ने एक लिंक भेजा। इस पर क्लिक करने के बाद शिकायतकर्ता का सिक्योरिटीज एडवांस ब्रोकर अकाउंट खोला गया। फिर शेयर बाजार में रुपये निवेश कराने लगे।

नकली वेबसाइटों पर हाईकोर्ट सख्त: डोमेन रजिस्ट्रेशन में अब ई-केवाईसी जरूरी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

ऑनलाइन धोखाधड़ी और नकली वेबसाइटों के बढ़ते मामलों पर सख्ती दिखाते हुए हाईकोर्ट ने डोमेन नाम रजिस्ट्रेशन के लिए ई-केवाईसी को अनिवार्य कर दिया है। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया है कि डोमेन रजिस्ट्रेशन के समय जानकारी छिपाने की व्यवस्था अब नहीं होगी। यह आदेश उन मामलों की सुनवाई में दिया गया, जिनमें कई बड़ी कंपनियों ने शिकायत की थी कि उनके नाम और ब्रांड की नकल करके फर्जी वेबसाइटें बनाई जा रही हैं। इन वेबसाइटों के जरिये लोगों को नौकरी, फ्रेंचाइजी और डीलरशिप का लालच देकर पैसे ठगे जा रहे हैं। इन मामलों में टाटा स्काई, अमूल, बजाज फाइनेंस, डाबर, मीशो, क्रोमा, कोलगेट और आईटीसी जैसे बड़े ब्रांड शामिल थे।

न्यायमूर्ति प्रतिबा एम सिंह ने कहा कि डोमेन नाम

किसी भी बिजनेस की ऑनलाइन पहचान होते हैं और उनका गलत इस्तेमाल आम लोगों के लिए बड़ा खतरा बन चुका है। कोर्ट ने कहा कि साइबर ठगी और दूसरी ऑनलाइन धोखाधड़ी को रोकने के लिए सख्त कदम उठाना जरूरी है। कोर्ट ने आदेश दिया कि किसी डोमेन के गलत इस्तेमाल की जानकारी मिलते ही उसे तुरंत लॉक, सस्पेंड या ब्लॉक किया जाए।

डोमेन रजिस्ट्रार को 72 घंटे के भीतर डोमेन मालिक की पूरी जानकारी सुरक्षित रखनी होगी और जरूरत पड़ने पर ट्रेडमार्क मालिक या जांच एजेंसियों को देनी होगी। धोखाधड़ी में इस्तेमाल हुए डोमेन नामों को हमेशा के लिए बंद होगा।

बैंक भी बरतें सावधानी: हाईकोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि अब डोमेन रजिस्ट्रेशन के समय सभी रजिस्ट्रार को ई-केवाईसी करना होगा। प्राइवेसी प्रोटेक्शन अब अपने आप नहीं मिलेगा, बल्कि यह सिर्फ.एक अतिरिक्त सुविधा के रूप में ही लिया जा सकेगा। इसके अलावा, बैंकों को भी आदेश दिया कि वे ऑनलाइन भुगतान के समय सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करें। खास तौर पर, पैसे भेजने से पहले लाभ पाने वाले बैंक खाते के नाम की जांच करना जरूरी होगा, ताकि लोग ठगी का शिकार न हों। कोर्ट ने कहा कि इन निर्देशों का मकसद सिर्फ.कंपनियों की सुरक्षा नहीं, बल्कि आम जनता को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाना है।

टाटा ग्रुप ने रतन टाटा की 88वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि

देश के लिए उनके योगदान को किया याद

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

टाटा ग्रुप ने रविवार को अपने पूर्व चेयरमैन रतन टाटा की 88वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर भारतीय उद्योग, समाज सेवा और देश के लिए उनके योगदान को याद किया गया।

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने लिंक्डइन पर एक भावुक संदेश साझा करते हुए लिखा, ह्यह्लजन्मदिन की शुभकामनाएं, मिस्टर टाटा। आप हमें बहुत याद आते हैं। आज भी और हमेशा।

उन्होंने जुलाई 2024 में हुए एक पुरस्कार समारोह की अपनी और रतन टाटा की एक साथ ली गई तस्वीर भी पोस्ट की। टाटा ग्रुप ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया और कहा कि वे रतन टाटा की जयंती पर उन्हें याद कर रहे हैं।

रतन टाटा ने 1991 से 2012 तक टाटा ग्रुप का नेतृत्व किया। इसके बाद 2016-17 में उन्होंने कुछ समय के लिए अंतरिम चेयरमैन के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं।

उन्हें टाटा ग्रुप को एक सौ साल पुरानी भारतीय कंपनी से एक अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने का श्रेय दिया जाता है। उनके नेतृत्व में टाटा ग्रुप ने जगुआर लैंड रोवर, कोरस और टेटली जैसी बड़ी विदेशी कंपनियों का अधिग्रहण किया, जिससे दुनिया भर में टाटा की मौजूदगी बढ़ी।

व्यापार के साथ-साथ रतन टाटा अपने ईमानदार सिद्धांतों, देश निर्माण और समाज सेवा के लिए भी जाने जाते थे। टाटा ट्रस्ट्स के जरिए उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और वैज्ञानिक शोध को मजबूत सहयोग दिया।

साल 2025 में रिकॉर्ड ऊंचाई से 30 प्रतिशत गिरा बिटकॉइन, फिर भी क्रिप्टो मार्केट में उम्मीदें बरकरार

» मुंबई, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

इस वर्ष 2025 में बिटकॉइन की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली और यह अपने अब तक के सबसे ऊंचे स्तर से लगभग 30 प्रतिशत नीचे आ गया है। कमजोर खरीद-बिक्री, तकनीकी कारणों और लंबे समय से बिटकॉइन रखने वाले निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण कीमतों पर दबाव बना रहा। हालांकि, कीमतों में गिरावट आई है, फिर भी लंबे समय के लिए बाजार को लेकर उम्मीद बनी हुई है। बेहतर नियम-कानून, बड़ी कंपनियों और संस्थानों की बढ़ती भागीदारी और ब्लॉकचेन तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल से माना जा रहा है कि 2026 क्रिप्टो मार्केट के लिए वापसी का साल हो सकता है। साल 2025 में क्रिप्टो जगत में कई सकारात्मक बदलाव देखने को मिले। डिसेंट्रलाइज्ड फाइनेंस (डीईएफआई) प्लेटफॉर्म का विस्तार हुआ, स्टेबलकॉइन का भुगतान और लेन-देन में ज्यादा इस्तेमाल होने लगा और कई देशों ने सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) के परीक्षण शुरू किए। डेवलपर्स की एक्टिविटी भी मजबूत बनी रही, खासकर एशिया-प्रशांत क्षेत्र और अन्य देशों में। लाखों डेवलपर्स ब्लॉकचेन नेटवर्क पर नए ऐप्स और तकनीक बना रहे हैं।

इन सभी बातों से यह साफ होता है कि कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद लोगों की ब्लॉकचेन तकनीक में रुचि बढ़ रही है। बिटकॉइन की कीमतों में कमजोरी के पीछे तकनीकी और बाजार से जुड़े कई कारण रहे। जब कीमत 365 दिनों के अहम औसत स्तर से नीचे गई, तो इससे और ज्यादा बिकवाली शुरू हो गई।

संक्षिप्त खबरें

स्टीव वॉजनिएकः एप्पल की नींव रखने वाले शांत और उदार इंजीनियर

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

स्टीव जॉब्स के नाम से एप्पल प्रसिद्ध है, लेकिन इसके असली निर्माता स्टीव वॉजनिएक थे। वे तकनीक को लोगों की जिंदगी आसान बनाने के लिए बनाते थे और दौलत या शोहरत के पीछे नहीं भागे। बचपन में ही वॉजनिएक टीवी और रेडियो खोलकर समझते थे कि ये कैसे काम करते हैं। घर पर खुद कंप्यूटर बनाना उनका शौक बन गया। 975 में एलटेयर 8800 से प्रेरित होकर उन्होंने एप्पल बनाया। स्टीव जॉब्स ने इसकी क्षमता देखी और दोनों ने कैलिफोर्निया के एक छोटे गैराज में मिलकर एप्पल की नींव रखी। वॉजनिएक ने दौलत समेटने के बजाय बच्चों को कोडिंग सिखाना चुना और अपने कई एप्पल शेयर उन कर्मचारियों को दे दिए, जिनके पास कुछ नहीं था। जब उनसे पूछा गया कि उन्होंने इतना सब क्यों दान कर दिया, तो उनका जवाब था, यह सही लगा। मैं चाहता था कि सफलता सबके साथ बांटी जाए। वॉजनिएक दुनिया के सबसे अमीर लोगों में शामिल हो सकते थे, लेकिन उन्होंने सबसे उदार इंसान बनना चुना, जहां स्टीव जॉब्स ने डिजाइन में परफेक्शन खोजा, वहीं स्टीव वॉजनिएक ने उदारता में। आज भी वॉजनिएक दौलत या शोहरत की बात नहीं करते।

वॉरेन बफे की जिद ने बदल दिया निवेश की दुनिया का इतिहास

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दसम्बर।

सिर्फ 12 सेंट की रकम से शुरू हुई एक जिद ने निवेश की दुनिया का इतिहास बदल दिया। यह कहानी है दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे और उनकी कंपनी बर्कशायर हैथवे की, जिसकी आज वैल्यूएशन 900 अरब डॉलर से भी ज्यादा है। साल 1964 में बर्कशायर हैथवे एक घाटे में चल रही टेक्सटाइल कंपनी थी। कपड़ा, ऊन और कॉटन का कारोबार करने वाली इस कंपनी के शेयर बेहद सस्ते थे। वॉरेन बफे ने इसमें मौका देखा और धीरे-धीरे शेयर खरीदकर करीब 7 फीसदी हिस्सेदारी हासिल कर ली। इसी दौरान कंपनी के सीईओ ने बफे को 11.50 डॉलर प्रति शेयर पर हिस्सेदारी वापस खरीदने का ऑफर दिया।

वैश्विक एआई क्षेत्र में अदाणी ग्रुप की भूमिका लगातार बढ़ रही है : गौतम अदाणी

» मुंबई, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

अदाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदाणी ने रविवार को कहा कि भारत एक ऐसे अहम दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां तकनीक, प्रतिभा और राष्ट्रीय उद्देश्य एक साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के युग में आगे आएं और नेतृत्व करें।

महाराष्ट्र के बारामती में विद्या प्रतिष्ठान के शरद पवार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (सीओई-एआई) के उद्घाटन के मौके पर अपने उद्बोधन में गौतम अदाणी ने कहा, भारत की अटूट शक्ति लोगों, संस्थानों और लंबे समय की सोच को एकजुट करने की क्षमता में निहित है। अब यही सोच युवाओं को एआई के बारे में अपनानी होगी, सिर्फ उपयोगकर्ता बनकर नहीं, बल्कि इसे बनाने वाले और नेतृत्व करने वाले बनकर।

एआई को लेकर लोगों की चिंताओं को समझते हुए उन्होंने कहा कि इतिहास इस मामले में हमें आश्वासन प्रदान करता है। अदाणी ग्रुप के चेयरमैन ने आगे कहा, औद्योगिक क्रांतियों से लेकर भारत के डिजिटल बदलाव तक, हर बड़ी तकनीकी क्रांति ने इंसानों की क्षमता को बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि एआई इसे और आगे ले जाएगा, क्योंकि इससे आम लोगों के हाथों में सीधे बुद्धिमत्ता और काम करने की ताकत आएगी। इससे हर वर्ग के युवाओं को विकास में भाग लेने का मौका मिलेगा। गौतम अदाणी ने यह भी चेतावनी दी कि एआई के क्षेत्र में नेतृत्व को आउटसोर्स नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा, आज के समय में जब बुद्धिमत्ता तेजी से आर्थिक शक्ति और राष्ट्रीय प्रभाव को आकार दे रही है, तब विदेशी तकनीक पर पूरी तरह निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है।

उन्होंने कहा कि डेटा, फैसले लेने की क्षमता और तकनीकी ताकत देश के हित में ही होनी चाहिए। भारत को अपने खुद के एआई मॉडल, मजबूत कंप्यूटिंग क्षमता और सुरक्षित तकनीकी सिस्टम बनाने की जरूरत है, ताकि देश की आर्थिक सुरक्षा, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और स्वतंत्रता बनी रहे।

उन्होंने बताया कि वैश्विक एआई क्षेत्र में अदाणी ग्रुप की भूमिका लगातार बढ़ रही है। अदाणी ग्रुप डेटा सेंटर्स, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और स्वच्छ ऊर्जा में बड़ा निवेश कर रहा है, जिससे बड़े स्तर पर कंप्यूटिंग संभव हो सके। इसी वजह से गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी वैश्विक कंपनियां भारत में एआई से जुड़े विकास में रुचि दिखा रही हैं। यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बारामती की शैक्षणिक संस्था विद्या प्रतिष्ठान के तहत बनाया गया है। इसके लिए गौतम अदाणी ने साल 2023 में 25 करोड़ रुपए का योगदान दिया था। इस पहल का उद्देश्य उन्नत शोध, कौशल विकास और उद्योग से जुड़े प्रशिक्षण को बढ़ावा देना है।

ऐपल ने 25 से ज्यादा डिवाइस और एक्सेसरीज किए बंद

नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। टेक दिग्गज कंपनी ऐपल ने 25 से ज्यादा डिवाइस और एक्सेसरीज को बंद कर दिया। इनमें 7 आईफोन मॉडल, मेकबुक एयर एम3 समेत कई मैकबुक शामिल हैं। दरअसल, ऐपल हमेशा से नए मॉडल आने पर पुराने मॉडल को बंद यानी डिस्कन्टीन्यू कर देती है। इस साल बंद किए गए सबसे अहम मॉडलों में शामिल रहा आईफोन एसई। फरवरी में कंपनी ने तीसरी जेनरेशन के आईफोन एसई को बंद कर दिया। कौन से गैजेट्स पर चली कैंची, आइए जानते हैं। ऐपल ने आईफोन एसई को बंद करने के बाद आईफोन 16ई को पेश किया। यह ऐपल का सबसे कॉम्पैक्ट और सस्ता आईफोन है। बहरहाल, अब ऐपल ऑफिशियली ऐसा कोई आईफोन नहीं बेचती जिसमें होम बटन, टच आईडी, एलसीडी स्क्रीन, 6 इंच से छोटा डिस्प्ले या लाइटनिंग पोर्ट हो। उनके जगह ऐपल की तमाम आईफोन लाइनअप में अब फेस आईडी, ओएलईडी डिस्प्ले और यूएसबी-सी टाइप चार्जिंग है। इस साल आई आईफोन 17 सीरीज में कोई प्लस मॉडल शामिल नहीं था। इसके अलावा, कंपनी ने आधिकारिक तौर पर आईफोन 14 प्लस और आईफोन 15 प्लस को बंद कर दिया है। जल्द आईफोन 16 प्लस की विदाई भी हो सकती, जो यह संकेत है कि कंपनी प्लस मॉडल के बजाए अब स्लिम स्मार्टफोन पर फोकस कर रही है। इस साल प्लस मॉडल की जगह आईफोन एयर को लाया गया है। यह फोन चचाओं में तो खूब रहा, लेकिन सेल में इसे मामूली परफॉर्म किया।

एलआईसी जीवन शांति प्लान: सिर्फ एक बार निवेश, जीवनभर मिलेगी 1 लाख पेंशन

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

हर व्यक्ति चाहता है कि रिटायरमेंट के बाद उसकी आमदनी बनी रहे और पैसों की चिंता न हो। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) कई पेंशन योजनाएं चलाती है। इन्हीं में से एक है एलआईसी न्यू जीवन शांति प्लान जो आजकल काफी लोकप्रिय है। यह एक पेंशन स्कीम है। इसमें पॉलिसीधारक को एक बार (लंपसम) निवेश करना होता है। तय अवधि पूरी होने के बाद उसे जीवनभर नियमित पेंशन मिलती रहती है। इस स्कीम की खास बात यह है कि निवेश करते समय ही पेंशन की राशि फिक्स हो जाती है। इस प्लान में 5 साल का लॉक-इन पीरियड होता है। न्यूनतम निवेश 1.5 लाख रुपये है, जबकि अधिकतम निवेश की कोई सीमा नहीं है। निवेश जितना ज्यादा होगा, पेंशन उतनी ही ज्यादा मिलेगी।

यह पॉलिसी दो ऑप्शन में मिलती है, सिंगल लाइफ एन्युटी जिसमें पॉलिसीधारक को जीवनभर पेंशन, मृत्यु के बाद रकम नॉमिनी को, दूसरी जाइंट लाइफ एन्युटी जिसमें पति-पत्नी दोनों के लिए पेंशन, एक की मृत्यु के बाद दूसरे को पेंशन जारी रहती है। पॉलिसीधारक अपनी सुविधा के अनुसार पेंशन मासिक, तिमाही, छमाही या सालाना ले सकता है।

एसआईपी और स्टेप-अप से रिटायरमेंट तक 6 करोड़ का फंड

24,000 की मंथली एसआईपी से बनेंगे 6 करोड़, 22 साल तक करना होगा निवेश

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।

रिटायरमेंट के लिए सही प्लानिंग और निवेश में अनुशासन हो, तो बड़ा फंड बनाना मुश्किल नहीं है। अगर किसी निवेशक की उम्र 34 साल है और वह अगले 22 साल तक हर महीने 24,000 रुपये की एसआईपी करता है, तो रिटायरमेंट तक करोड़ों का कॉर्पस तैयार किया जा सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि केवल निवेश शुरू करना ही नहीं, बल्कि समय के साथ निवेश की रकम बढ़ाना भी बेहद जरूरी है। एक अधिकारी के मुताबिक अगर 24,000 रुपये की मंथली एसआईपी पर औसतन 12 फीसदी सालाना रिटर्न मिलता है, तो 22 साल में करीब 3 करोड़ रुपये का फंड बन सकता है। वहीं अगर हर साल एसआईपी की रकम में 10 फीसदी का स्टेप-अप किया जाए, तो यही कॉर्पस लगभग 6 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। बढ़ती इनकम के साथ निवेश बढ़ाना महंगाई से लड़ने का सबसे कारगर तरीका माना जाता है। निवेशक के पोर्टफोलियो में फ्लेक्सीकैप, मल्टीकैप, लार्ज एंड मिडकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप जैसे अलग-अलग फंड शामिल हैं। इसके अलावा आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल रिटायरमेंट प्योर इक्विटी फंड भी पोर्टफोलियो का हिस्सा है।

हर फंड में लगभग 4,001 रुपये की एसआईपी की जा रही है, जिससे सभी मार्केट कैप को कवर किया जा सके। रिटायरमेंट आधारित फंड्स में 5 साल का लॉक-इन पीरियड होता है, जो लंबे समय के लक्ष्य के लिए फायदेमंद माना जाता है। हालांकि एक्सपर्ट्स का कहना है कि फंड के नाम से ज्यादा जरूरी उसका एसेट एलोकेशन है। इक्विटी की अस्थिरता से बचने के लिए पोर्टफोलियो में गोल्ड ईटीएफ या गोल्ड म्यूचुअल फंड शामिल करने की सलाह दी जाती है। 2,000 से 4,000 रुपये की गोल्ड एसआईपी पोर्टफोलियो को मजबूती दे सकती है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

नगर निगम कर्मचारी बनकर 2.32 लाख रुपये ठगी में दो गिरफ्तार

फरीदाबाद, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। नगर निगम कर्मचारी बनकर पानी का बकाया बिल बता महिला से 2.32 लाख रुपये ठगी में दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों में अहमदाबाद निवासी नसीरुद्दीन और साहिल शामिल हैं। साइबर क्राइम थाना एनआईटी टीम ने दोनों को जयपुर से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि नसीरुद्दीन ने सिम उपलब्ध कराया था है और साहिल क्रेडिट कार्ड की पेमेंट मर्चेंट के जरिये सेटल करता था। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि आरोपियों को 4 दिन के रिमांड पर लेकर साइबर क्राइम थाना एनआईटी टीम पूछताछ कर रही है। ठगी की शिकायत एनआईटी निवासी महिला ने दी थी। शिकायत में महिला ने आरोप लगाया कि उनके इलाके में कुछ दिन से पानी नहीं आ रहा था। इस पर महिला ने राहुल से कॉल पर बात की जिसने खुद को नगर निगम का कर्मचारी बताया। इसके बाद कथित कर्मचारी ने महिला के व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजकर 13 रुपये की पेमेंट करने को कहा।

तीन कारों से युवकों ने किया स्टंट, पुलिस ने भेजे 29 हजार के चालान

फरीदाबाद, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। सेक्टर-12 कोर्ट रोड पर तीन कार में सवार युवकों ने कार की खिड़की व सनरूफ से बाहर निकलकर स्टंट वीडियो बनाया। युवकों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो पुलिस तक भी पहुंची। इसका संज्ञान लेते हुए यातायात पुलिस की ओर से तीनों कार के नंबर के आधार पर पोस्टल चालान किए गए हैं। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि तीनों कार के 29 हजार रुपये के पोस्टल चालान भेजे गए हैं। स्मार्ट सिटी में ये वीडियो शनिवार दोपहर बाद वायरल हुआ। 1 मिनट के वीडियो में फरीदाबाद के सेक्टर-12 कोर्ट रोड पर अलग-अलग गाड़ियां आगे-पीछे चल रही हैं। इनमें किसी कार में युवक सनरूफ से बाहर निकला हुआ है तो किसी कार में खिड़की से युवक बाहर निकले दिख रहे हैं। ये युवक काफी लापरवाही व खतरनाक तरीके से कार चलाते नजर आ रहे हैं।

दिल्ली के निजी स्कूलों में सीटों को लेकर जबरदस्त होड़

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

दिल्ली के 1700 निजी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के अंतर्गत अगले माह शुरू होने वाली नर्सरी दाखिले की रेस में एक-एक सीट पर मारामारी देखने को मिलेगी। नर्सरी की आवेदन प्रक्रिया में एक-एक सीट पर दस बच्चों ने दावेदारी ठोकी है। इसका अंदाजा दाखिले के लिए किए गए आवेदनों के आधार पर लगाया जा सकता है। हालांकि स्कूलों में इस साल बीते साल के मुकाबले कम आवेदन हुए हैं। इसका कारण स्कूल अगले साल शुरू होने वाली बाल वाटिका कक्षाओं को बता रहे हैं।

नर्सरी दाखिले के लिए अंतिम दिन निजी स्कूलों में बढ़ी भीड़

दिल्ली के नर्सरी दाखिले के लिए चार दिसंबर को शुरू हुई आवेदन प्रक्रिया शनिवार को समाप्त हो गई। कुछ स्कूलों में ऑनलाइन आवेदन होने के कारण शनिवार आधी रात तक आवेदन प्रक्रिया जारी रही। ऑफलाइन व ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया के तहत स्कूलों की चुनिंदा सीटों के लिए 400 से दो हजार तक आवेदन प्राप्त हुए हैं। शनिवार को अंतिम दिन होने के कारण निजी स्कूलों में फॉर्म जमा कराने का ज्यादा जोर रहा। अभिभावकों को ज्यादा दिक्कत यह थी कि कुछ स्कूलों ने ऑनलाइन आवेदन करने के बाद उसका प्रिंट स्कूल में जमा कराने को कहा था। रोहिणी स्थित माउंट आबू स्कूल की प्रिंसिपल ज्योति अरोड़ा ने बताया कि हमारे यहां 120 सीटों के लिए 1, 000 आवेदन प्राप्त हुए हैं। यह बीते साल की तुलना में दस फीसदी कम है। मयूर विहार स्थित विद्या बाल भवन में नर्सरी के लिए सामान्य श्रेणी की 80 सीटें हैं जिसके लिए करीब 400 आवेदन फॉर्म प्राप्त हुए हैं। स्कूल प्रिंसिपल डॉ. सतबीर शर्मा के अनुसार इस बार आवेदन का आंकड़ा कम है। वहीं कई स्कूलों बालभारती, स्प्रिंगडेल्स, डीपीएस जैसे स्कूलों में आवेदन का आंकड़ा 1000 से दो हजार के बीच है। इस तरह से इन स्कूलों में दाखिले की राह हर बार की तरह कठिन हो सकती है। अब स्कूल शिक्षा निदेशालय के दिशा-निर्देशानुसार फॉर्मों की छंटनी करेंगे।

एकतरफा प्यार में युवती व उसके दोस्त की हत्या करने वाले आरोपी को नहीं मिली राहत

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

कोतवाली थाना इलाके में एकतरफा प्यार में युवती व उसके दोस्त की हत्या करने के आरोपी को जिला अदालत से राहत नहीं मिली। एनआईटी इलाके के रहने वाले प्रकाश आहूजा के अधिवक्ता की ओर से जमानत याचिका दायर कर दलील दी गई कि सह-आरोपियों को जमानत मिल चुकी है। प्रकाश ने ये अपराध नहीं किया है और एफआईआर के तथ्य गलत हैं। 45 में से अभी तक 11 गवाहों की गवाही हुई है।

वहीं अभियोजन पक्ष ने याचिका का विरोध करते हुए दलील दी कि आरोपी पर डबल मर्डर के गंभीर आरोप हैं। इसे 21 फरवरी 2021 को गिरफ्तार किया गया था और युवती मयंका की घड़ी व पिस्तोल इससे बरामद हुई। सीसीटीवी फुटेज में भी आरोपी का वारदात स्थल पर होना कंफर्म है। कॉल डिटेल रेकॉर्ड व मोबाइल लोकेशन से भी आरोपी का मौके पर मौजूद होना पुष्ट हुआ है। दोनों पक्षों को सुनकर अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुरुषोत्तम कुमार की अदालत ने आरोपी की जमानत याचिका खारिज कर दी है।

कोतवाली थाना में ये एफआईआर 17 फरवरी 2021 को दर्ज हुई थी। 16 फरवरी 2021 को कोतवाली थाना क्षेत्र में एक कार से युवक-युवती के शव बरामद हुए थे। जांच में सामने आया था कि दोनों की गोली मारकर हत्या की गई थी। इस मामले में पुलिस ने प्रेम-प्रसंग और एकतरफा प्यार को हत्या की वजह बताया था। युवती की पहचान मयंका और युवक की पहचान लोकेश कपूर के तौर पर हुई। युवती के पिता के बयान पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब आरोपी प्रकाश आहूजा की जमानत याचिका जिला अदालत ने खारिज कर दी है।

नशीला पदार्थ खिला चोरी करने के आरोपी को पकड़ने के लिए नेपाल जाएगी पुलिस

गुरुग्राम, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के सेक्टर-15 पार्ट-1 में खाने में नशीला पदार्थ देकर घर से आभूषण और नकदी चोरी करने के आरोपी घरेलू सहायक और सहायिका को पकड़ने के लिए जिले की पुलिस टीम नेपाल जाएगी। आरोपियों के मोबाइल की लोकेशन नेपाल दिख रही है। आरोपी दंपती पर करीब 20 तोले के सोने के आभूषण और 50 लाख रुपये से अधिक की नकदी लेकर भागने का आरोप है। पीड़ित की शिकायत के आधार पर सिविल लाइंस थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। सेक्टर-15 पार्ट-1 निवासी टोनी गोयल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि घरेलू सहायक सुनील खड़का को सोमवार को एक एजेंसी के माध्यम से काम पर रखा था। बुधवार की रात सुनील ने खाने में कोई नशीला पदार्थ मिला दिया था। खाना खाते ही टोनी गोयल और उनके परिवार के तीन सदस्य गहरे अचेत अवस्था में चले गए। बृहस्पतिवार सुबह जब वह और उसके माता-पिता जागे तो उन्हें मकान में सामान बिखरा हुआ मिला और सोने के गहने व नकदी गायब मिली। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने स्टोर रूम में एक लोहे की रॉड, प्लास और पेचकस बरामद हुए, जिनसे लॉकर तोड़ा गया था। बताया जा रहा है कि करीब 50 लाख रुपये और करीब 20 तोले सोने के आभूषण चोरी किए गए हैं।

शराब पीकर हंगामा करने से रोकने पर पीटकर हत्या मामले में आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। शराब पीकर हंगामा करने से रोकने पर फट्टे से पीटकर सतीश की हत्या कर भागे राहुल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी 20 साल का राहुल पलवल के मितरोल गांव का मूल निवासी है। वो यहां खोरी गांव में रहता है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि राहुल व मृतक सतीश दोनों पहले एक साथ हाउस कीपिंग का काम करते थे। सतीश को वहां से हटा दिया गया था। सतीश को शक था कि राहुल ने उसको नौकरी से हटवाया है। आरोपी राहुल कभी-कभार जब शराब पीता था तो सतीश ही जाकर राहुल की मां से उसकी शिकायत कर देता था। राहुल ने खुलासा किया कि 25 दिसंबर की रात को भी सतीश ने जाकर मेरी मां को शिकायत की। इसी के चलते राहुल ने लकड़ी के फट्टे से सतीश के सिर पर चोट मारी और उसकी मौत हो गई। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि आरोपी राहुल को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है। सूरजकुंड थाना इलाके में ये वारदात बृहस्पतिवार 25 दिसंबर की देर रात लगभग 10 बजे हुई थी। गांव खोरी में रहने वाला सतीश रात को खाना खाने के बाद पास की दुकान से बीड़ी लेने गया था। इसी दौरान गली में राहुल शराब पीकर हंगामा कर रहा था।

ऑटो में बैठे युवक के सीने के आर-पार हुआ सरिया, मौत

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

खेड़ी पुल के पास सरियों से भरी बुग्गी के अचानक रुकने से पीछे से आ रहे ऑटो में बैठे युवक के सीने में सरिया आर पार हो गया। हादसे में युवक की मौत हो गई। घटना शनिवार दोपहर करीब 12 बजे की बताई जा रही है।

भारती कॉलोनी के पास रहने वाले अशोक और उनके साले धीरज ऑटो से दोस्त के घर जा रहे थे। अशोक ने बताया कि खेड़ी पुल के पास सरियों से भरी बुग्गी जा रही थी। सरिए बुग्गी से बाहर निकल रहे थे। बुग्गी के अचानक रुकने के बाद ऑटो चालक ने भी ब्रेक लगाए। ऑटो नहीं रुक पाया और अशोक के साले धीरज के सीने में सरिया आर- पार हो गया। इसके बाद उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने धीरज को मृत घोषित कर दिया।

बिहार के रहने वाले अशोक ने बताया कि वे दो माह पहले ही नौकरी करने के लिए फरीदाबाद आए थे और किसी निजी कंपनी में लोहा पीटने का कार्य करते हैं। वहीं, शुक्रवार को ही बिहार से साला धीरज फरीदाबाद आया था और शनिवार को सीने में सरिया घुसने से उसकी मौत हो गई। मृतक की उम्र लगभग 32 है और पत्नी व दो बेटी बिहार में रहती हैं। यहां इन लोगों का कोई भी रिश्तेदार नहीं रहता है।

हादसे के बाद ऑटो चालक दोनों को अस्पताल छोड़कर मौके से फरार हो गया। फिलहाल बीके अस्पताल में शव को पोस्टमार्टम के लिए रखवा दिया है। अशोक ने बताया कि वे शहर में नए हैं, उन्हें यहां के रास्ते भी नहीं पता है। उन्होंने गांव में फोन कर सबको सूचना दे दी है।

शेयर में मुनाफे का लालच देकर 13 लाख ठगे

गुरुग्राम, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। ठगों ने शेयर बाजार में मुनाफा कमाने का लालच देकर एक युवक से 13 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर साइबर पूर्व थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-39 निवासी बीआर मेहता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि आरोपियों ने उन्हें निवेश करके मुनाफा कमाने का लालच दिया था। जालसाजों ने 16 अक्तूबर से 27 नवंबर तक 13 लाख रुपये का निवेश करवाया।

फरवरी में ट्यूलिप फूलों से रंगीन होंगे पार्क-सड़कें, 5.17 लाख ट्यूलिप बल्ब नई दिल्ली इलाके में लगेंगे

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

नई दिल्ली के पार्क और सड़कें फरवरी में ट्यूलिप के फूलों से रंगीन नजर आएंगी। एनडीएमसी 5.17 लाख ट्यूलिप बल्ब नई दिल्ली इलाके में लगाएगा। शनिवार को उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने चिल्ड्रन पार्क में पहला ट्यूलिप बल्ब लगाकर वार्षिक ट्यूलिप रोपण अभियान की शुरूआत की। फरवरी में जब ये ट्यूलिप खिलेंगे तो नई दिल्ली रंग-बिरंगे फूलों से सजी नजर आएगी।

एनडीएमसी उपाध्यक्ष ने कहा कि ट्यूलिप शहर की खूबसूरती बढ़ाने के साथ-साथ धूल कम करने और पर्यावरण को बेहतर बनाने में भी मदद करेंगे। इस साल 5,17,500 ट्यूलिप बल्ब खरीदे गए हैं। इनमें से 3.25 लाख बल्ब एनडीएमसी और 1,92,500 बल्ब डीडीए से लिए हैं। एनडीएमसी के हिस्से के करीब 2.25 लाख बल्ब शांति पथ, सेंट्रल पार्क कनॉट प्लेस, लोधी गार्डन, तालकटोरा गार्डन, नेहरू पार्क, मंडी हाउस, सरदार पटेल मार्ग, शेर शाह सूरी मार्ग, विंडसर प्लेस और उपराष्ट्रपति भवन के आसपास लगाए जाएंगे। करीब 1 लाख ट्यूलिप बल्ब गमलों में लगाए जाएंगे, जिन्हें आम लोगों के लिए बिक्री के लिए भी उपलब्ध कराया जाएगा। लोधी गार्डन के ट्यूलिप हाउस में पिछले साल से संरक्षित 15 हजार बल्ब और सीएसआईआर आईएचबीटी पालमपुर से लाए गए 20,700 बल्ब भी रोपे जाएंगे।

15 दिन 5 डिग्री तापमान में फूटते हैं अंकुर

उपाध्यक्ष ने बताया कि ट्यूलिप उगाना आसान नहीं होता। इन्हें अंकुरण के लिए करीब 15 दिन तक 5 डिग्री तापमान की जरूरत होती है। इसी को देखते हुए एनडीएमसी ने पहले से उपचारित बल्ब मंगवाए हैं, जो बदलते मौसम में भी अच्छी तरह पनप सकें।

अब 2026 टी20 विश्वकप जीतना चाहती है भारतीय महिला टीम : हरमनप्रीत

श्रीलंकाई टीम के खिलाफ सीरीज से अभ्यास का अच्छा अवसर मिला

त्रिवेंद्रम, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि अब उनकी टीम का लक्ष्य 2026 टी20 विश्वकप जीतना है। भारतीय टीम ने इसी साल हरमनप्रीत की कप्तान में एकदिवसीय विश्वकप जीता था जिसके बाद से ही उसके हौंसले बुलंद हैं। श्रीलंका के खिलाफ जारी सीरी में भी टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है और उसने पांच मैचों की सीरीज के शुरूआती तीन मैच आसानी से जीत लिए हैं।

हरमनप्रीत ने साफ किया कि श्रीलंका के खिलाफ इस सीरीज से आने वाले टी20 विश्वकप के लिए टीम को अभ्यास का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि टीम ने श्रीलंका के खिलाफ अधिक आक्रामक रवैया अपनाया है। ताकि एक प्रयोग किया जा सके। हरमनप्रीत ने कहा, एकदिवसीय विश्वकप जीतने के बाद हमने तय किया था कि टी20 क्रिकेट में अपने स्तर को और आगे ले जाना है। इसी कारण आक्रामक रुख अपनाया गया है। विश्व कप में जीत के लिए आक्रामक तरीके से खेलना बहुत जरूरी होता है। इसी को देखते हुए अभ्यास के तौर पर इस सीरीज में टीम आक्रामक रही।

हरमनप्रीत ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंका के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया है। साथ ही कहा कि इससे भारतीय टीम की गेंदबाजी ताकत उभरकर सामने आयी है। टी20 प्रारुप में गेंदबाजों की भूमिका बेहद अहम होती है। इसमें विरोधी टीम को छोटे स्कोर पर रोकना होता है जिसमें भारतीय गेंदबाज सफल रहे हैं।

2022 टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में पहले ही दबाव में आ गयी थी भारतीय टीम : फिंच

» **सिडनी, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ऑरोन फिंच ने कहा है कि 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में भारतीय टीम पहले ही दबाव में आ गयी थी। इसी कारण वह मैच उसके हाथ से निकल गया था। फिंच के अनुसार भारतीय टीम उस मैच में इतने अधिक दबाव में थी कि टीम खुलकर नहीं खेल पायी। इसी कारण उसे हार झेलनी पड़ी।

फिंच ने साल 2022 के सेमीफाइनल को लेकर कहा कि भारतीय टीम उसे मैच में हार से बचने की मानकिता के साथ खेल रही थी जिसका उसे नुकसान हुआ। इस पूर्व कप्तान के अनुसार जब टीम जीत की जगह हार से बचने का प्रयास करती है तो उसपर दबाव आ जाता है। टीम को जीत के निडर होकर प्रयास करना होता है। फिंच ने बताया कि बड़े टूर्नामेंट में बाहर होने के बाद टीमों को अपनी रणनीति पर विचार करते हुए छोटे लक्ष्य तय करते हुए प्रयास करना चाहिये।

वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान इयोन इयोन मॉर्गन भी फिंच से सहमत हैं। बदलाव

उन्होंने कहा कि शुरूआती दस ओवरों के बाद भारत की बल्लेबाजी पर दबाव आ गया था। टीम ने पहले तेज शुरूआत की थी पर बाद में वह कमजोर पड़ गयी थी। इस मामले को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा कि तब बार-बार बदलावों से भी नुकसान हुआ। साथ ही कहा कि एक स्थिर अंतिम ग्यारह अच्छी रहती है।

फिंच ने माना है कि बदलाव हमेशा नकारात्मक नहीं होते। कभी-कभी नई सोच या नई आवाज चाहे वह कप्तान हो या कोच टीम को नई दिशा दे सकती है। उन्होंने संकेत दिया कि भारत के सीमित ओवरों के क्रिकेट में हाल में जो सुधार आया है। उसके पीछे बदलाव की मानसिकता रही है।

> फिंच ने साल 2022 के सेमीफाइनल को लेकर कहा कि भारतीय टीम उसे मैच में हार से बचने की मानकिता के साथ खेल रही थी जिसका उसे नुकसान हुआ। इस पूर्व कप्तान के अनुसार जब टीम जीत की जगह हार से बचने का प्रयास करती है तो उसपर दबाव आ जाता है। टीम को जीत के निडर होकर प्रयास करना होता है।

रुट 22,000 रन बनाने वाले खिलाड़ियों के क्लब में शामिल

मेलबर्न, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रुट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट में बल्लेबाजी में विफल होने के बाद भी एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। रूट ने इस मैच में 15 रन बनाने के साथ ही अंतरराष्ट्रीयक्रिकेट में अपने 22,000 रन पूरे कर लिए। इसके साथ ही रूट यह आंकड़ा हासिल करने वाले विश्व के नौवें बल्लेबाज बन गए है। उनसे पहले ये आंकड़ा सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, कुमार संगकारा, राहुल द्रविड़, रिकी पोंटिंग, महेला जयवर्धने, जैक कैलिस और ब्रायन लारा ही हासिल कर पाये थे।मेलबर्न क्रिकेट मैदान में खेले गए चौथे एशेज टेस्ट में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराकर 14 साल बाद ऑस्ट्रेलियाई धरती पर जीत दर्ज की। वहीं यह रूट की ऑस्ट्रेलिया में पहली पहली टेस्ट जीत थी। हालांकि बल्लेबाजी करते हुए रूट विफल रहे और पहली पारी में शून्य जबकि दूसरी पारी में केवल 15 रन बना पाये। इस दौरे पर रूट ने एक शतक भी लगाया है। ये भी उनका ऑस्ट्रेलिया में पहला शतक रहा है। वह हालांकि अन्य टेस्ट मैचों मे विफल रहे। ऑस्ट्रेलिया ने शुरूआती तीन टेस्ट जीतकर पहले ही सीरीज 3-1 से जीत ली है। सीरीज का आखिरी टेस्ट 4 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। रूट ने अब तक 162 टेस्ट मैचों की 296 पारियों में 13,777 रन बनाये हैं.

यश की फिल्म में एलिजाबेथ बनकर छाईं हुमा कुरैशी, टॉक्सिक से फर्स्ट लुक जारी

भारतीय सिनेमा में जब भी किसी बड़े स्टार की नई फिल्म का ऐलान होता है, तो दर्शकों की उत्सुकता अपने आप बढ़ जाती है। इस कड़ी में इन दिनों रॉकिंग स्टार यश की आने वाली फिल्म टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स चर्चा में बनी हुई है। फिल्म के ऐलान के बाद से ही यह प्रोजेक्ट लगातार फैंस के बीच छाया हुआ है, और अब मेकर्स ने फिल्म से अभिनेत्री हुमा कुरैशी का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है। फिल्म में हुमा कुरैशी एलिजाबेथ के किरदार में हैं। इस किरदार के लुक को भी मेकर्स ने बारीकी से तैयार किया है। उनका फर्स्ट लुक बेहद रहस्यमय, गंभीर और प्रभावशाली दिखाई दे रहा है। फिल्म में हुमा की एंट्री को एक अहम मोड़ माना जा रहा है। फिल्म की निर्देशक गीतू मोहनदास ने कहा, एलिजाबेथ का किरदार निभाने के लिए सही अभिनेत्री का चयन करना मेरे लिए सबसे चुनौतीपूर्ण काम था, क्योंकि यह किरदार सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं है। इसमें एक खास व्यक्तित्व, गहराई, और स्क्रीन पर मजबूत मौजूदगी की जरूरत है। हुमा कुरैशी के चयन को लेकर गीतू मोहनदास ने कहा, जैसे ही हुमा कैमरे के सामने आईं, मुझे उनमें कुछ अलग और खास लगा, जो इस किरदार के साथ पूरी तरह मेल खाता था। निर्देशक ने बताया, हुमा के अंदर एक स्वाभाविक ठहराव, शालीनता और तीव्रता है, जो एलिजाबेथ जैसे जटिल किरदार के लिए एकदम सही है। वह इस किरदार को बखूबी समझ रही हैं और बेहतर बनाने की भी कोशिश कर रही हैं। यह किरदार उनके करियर के लिए एक बड़ा मोड़ साबित होगा। इस फिल्म के बाद दर्शक हुमा को एक नए, ज्यादा मजबूत और प्रभावशाली रूप में देखेंगे, जो लंबे समय तक याद रखा जाएगा। फिल्म को यश और गीतू मोहनदास ने मिलकर लिखा है। फिल्म की तकनीकी टीम भी काफी मजबूत है। सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी नेशनल अवॉर्ड विजेता राजीव रवि ने संभाली है, जबकि संगीत मशहूर कंपोजर रवि बसरूर ने दिया है। यह फिल्म केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनाई जा रही है और इसे वेंकट के. नारायण और यश ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म 19 मार्च 2026 को रिलीज होगी। फिल्म को कन्नड़ और अंग्रेजी में एक साथ शूट किया गया है। इसे हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में भी डब किया जाएगा।

टिम डेविड के चोटिल होने से ऑस्ट्रेलिया ही नहीं आरसीबी की भी मुश्किलें बढ़ीं

मेलबर्न, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिम डेविड के बिग बैश लीग (बीबीएल) में चोटिल होने से आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। डेविड को बीबीएल मैच में हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान से बाहर जाना पड़ा था। टिम को ये खिंचाव

पर्थ स्टेडियम में हॉबर्ट हरिकेन्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच मुकाबले में आया था। मैच में दूसरा रन लेने के प्रयास में उनके पैर में खिंचाव आ गया। इसके बाद वह रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर गये। इससे अब उनका टी20 विश्वकप और आईपीएल खेलना संदिग्ध हो गया है इससे पहले 2025 में आईपीएल में भी टिम को इसी प्रकार से खिंचाव आया थ और वह दो माह के लिए मैदान से बाहर हो गये थे। इससे वह आसीबी के प्लेऑफ अभियान से भी बाहर हो गए थे। इसके बाद से ही क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने उनका कायाभार प्रबंधन शुरू कर दिया था। वर्कलोड को लेकर सतर्क रवैया अपनाया था। टिम आरसीबी के साथ ही ऑस्ट्रेलिया के लिए महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं। वह नंबर 4 और 5 पर आक्रामक बल्लेबाजी करते हैं। उन्होंने नंबर 4 या 5 पर खेलते हुए उन्होंने इस साल अपना पहला टी20 शतक लगाया था।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

ब्राजील में विमान दुर्घटना में पायलट की मौत

रियो डी जेनेरियो, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में कोपाकबाना समुद्री तट के पास शनिवार को एक छोटे विमान के समुद्र में दुर्घटनाग्रत हो जाने से उसके पायलट की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। अग्निशमन विभाग के अनुसार यह छोटा विमान स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 12:30 बजे दुर्घटनाग्रस्त होकर समुद्र में गिर गया। पायलट, जिसकी पहचान अभी तक नहीं बताई गई है, बाद में पानी में उसका शव मिला। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के कारणों का अभी पता नहीं चला है और संबंधित अधिकारी इसकी जांच करेंगे।

म्यांमार में आम चुनाव के लिए मतदान शुरू

यांगून, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। म्यांमार में 2025 के बहुदलीय लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्थापना के लिए तीन चरणों में होने वाले देशव्यापी आम चुनावों के तहत रविवार को पहले चरण के लिए मतदान शुरू हो गया। ये आम चुनाव तीन चरणों में संपन्न होंगे। प्रथम चरण में आज 102 टाउनशिप में मतदान शुरू हुआ। द्वितीय चरण में 11 जनवरी, 2026 को 100 टाउनशिप में वोट डाले जाएंगे। जबकि तृतीय चरण में 25 जनवरी, 2026 को शेष 63 टाउनशिप में चुनाव प्रक्रिया पूरी होगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस बार चुनाव में 57 राजनीतिक दलों के 5,000 से अधिक उम्मीदवार मैदान में हैं।

अमेरिका में अपने परिवार को आगजनी की धमकी देने वाला भारतवंशी छात्र मनोज गिरफ्तार

टेक्सास, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। अपने ही परिवार को आग के हवाले करने की कोशिश की और उसी के साथ परिजनों को आतंकी धमकी भी दे डाली। मामला अमेरिका के टेक्सास के रहने वाले एक भारतवंशी युवा छात्र मनोज साई लेल्ला से जुड़ा हुआ है, जिसे उसके परिवार वालों ने मानसिक स्वास्थ्य समस्या से ग्रसित होने का जिक्र करते हुए दर्ज कराई गई शिकायत के बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मनोज टेक्सास के ही डलास विश्वविद्यालय का छात्र भी है। उसके परिजनों ने पुलिस को अपनी शिकायत में यह भी कहा है कि उसने कुछ दिन पहले घर के एक भाग में संभवतः पूजा स्थल में आग लगाने की कोशिश की थी और उसके बाद वह परिवार के लोगों को भी लगातार जानलेवा धमकी दे रहा है।

हंडाला हैकर्स ने नेतन्याहू के शीर्ष सहयोगी का फोन किया हैक

दावा- लीक की कई बातें, इजरायल बोला ऐसा कुछ नहीं

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

ईरान से जुड़े हैक्टिविस्ट ग्रुप हंडाला हैकिंग टीम ने दावा किया है कि उसने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के करीबी शीर्ष सहयोगी जाची ब्रेवरमैन का फोन हैक कर कई डिटेल्स लीक कर दिए।

द टाइम्स ऑफ इजरायल के मुताबिक इस ग्रुप का संबंध ईरान से है, और ये वही ग्रुप है जिसने पिछले हफ्ते पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट के फोन में सेंध लगाई थी और दावा किया है कि वे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के चीफ ऑफ स्टाफ, जाची ब्रेवरमैन का फोन भी हैक करने में कामयाब रहे। ग्रुप का कहना है कि उसे जाची ब्रेवरमैन के इस्तेमाल किए गए आईफोन 16 प्रो मैक्स का लंबे समय तक एक्सेस मिला। ऑनलाइन सकुर्लेट हो रहे मैसेज में, हैकर्स ने दावा किया कि उनके पास डिवाइस से ली गई फाइलें, प्राइवेट चैट, ऑडियो रिकॉर्डिंग और वीडियो मटीरियल हैं, और उन्होंने कंटेंट को अलग-अलग हिस्सों में पब्लिश करने की धमकी दी। हंडाला हैकर्स का कहना है कि वे फिर नई जानकारी जारी करेंगे जो ब्रेवरमैन को कतरगेट स्कैंडल से जोड़ती है। वहीं, यरूशलम पोस्ट ने पीएमओ के हवाले से कहा कि ऐसा कुछ नहीं हुआ है। मामले की जांच की जा रही है। नेतन्याहू के दो सलाहकारों पर आरोप है कि उन्होंने प्रधानमंत्री के यहां काम करते हुए कतर की तरफ से परसेप्शन पीआर फर्म के लिए काम किया, जिसके हेड नेतन्याहू के पूर्व कैंपेन मैनेजर यिसरायल आइन्हॉर्न हैं। फेल्डस्टीन ने दावा किया कि ब्रेवरमैन को लीक की गई एक सीक्रेट आईडीएफ जांच के बारे में पता चला और उन्होंने उन्हें भरोसा दिलाया कि इसे रद्द किया जा सकता है। ब्रेवरमैन को यूके में इजरायल का राजदूत बनना है, लेकिन आरोप की वजह से नियुक्ति पर असर पड़ सकता है। ब्रेवरमैन और नेतन्याहू दोनों ने घोटालों में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। बता दें, करीब दो हफ्ते पहले, इसी ग्रुप ने दावा किया था कि उसने पूर्व प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट का टेलीग्राम अकाउंट हैक कर लिया था।

❑ नेतन्याहू के दो सलाहकारों पर आरोप है कि उन्होंने प्रधानमंत्री के यहां काम करते हुए कतर की तरफ से परसेप्शन पीआर फर्म के लिए काम किया, जिसके हेड नेतन्याहू के पूर्व कैंपेन मैनेजर यिसरायल आइन्हॉर्न हैं। फेल्डस्टीन ने दावा किया कि ब्रेवरमैन को लीक की गई एक सीक्रेट आईडीएफ जांच के बारे में पता चला और उन्होंने उन्हें भरोसा दिलाया कि इसे रद्द किया जा सकता है।

समुद्री सीमा पार करने के आरोप में श्रीलंकाई नौसेना ने तमिलनाडु के तीन मछुआरों को गिरफ्तार किया

» **चेन्नई, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

श्रीलंकाई नौसेना ने रविवार तड़के इंटरनेशनल मैरीटाइम बाउंड्री लाइन (आईएमबीएल) पार करने के आरोप में तमिलनाडु के तीन मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया। ये मछुआरे रामनाथपुरम जिले के मंडपम के रहने वाले थे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, मछुआरे रोजाना की तरह मछली पकड़ने निकले थे, तभी श्रीलंकाई नौसेना के जवानों ने उनकी नाव (मशीनी नाव) को रोक लिया और आरोप लगाया कि वह श्रीलंकाई समुद्री सीमा में घुस गई थी।

इसके बाद मछुआरों को हिरासत में ले लिया गया और उनकी जब्त नाव के साथ आगे की पूछताछ के लिए उत्तरी श्रीलंका के कांकेसंतुरई नौसैनिक कैंप में ले जाया गया। इस ताजा गिरफ्तारी से रामनाथपुरम और आस-पास के तटीय जिलों में मछली पकड़ने वाले समुदायों में चिंता फैल गई है, जहां परिवार अपनी रोजी-रोटी के लिए लगभग पूरी तरह से गहरे समुद्र में मछली पकड़ने पर निर्भर हैं।

मछुआरों के संगठनों ने कहा कि इस घटना के लिए लंबे समय तक चलने वाले राजनयिक समाधान के लिए बार-बार अपील करने के बावजूद, हाल के महीनों में ऐसी गिरफ्तारियां चिंताजनक रूप से बढ़ गई हैं। याद दिला दें कि हाल ही में, रामनाथपुरम के तमिलनाडु के दस मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार किया था। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को एक पत्र लिखकर गिरफ्तार मछुआरों और उनकी नाव को छुड़ाने के लिए तत्काल राजनयिक हस्तक्षेप का आग्रह किया था। अपने पत्र में, मुख्यमंत्री ने श्रीलंकाई नौसेना द्वारा भारतीय मछुआरों की लगातार गिरफ्तारी और कथित उत्पीड़न पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी।

लंदन में हिंदू कर रहे थे बांग्लादेश के विरोध में प्रदर्शन, खालिस्तानी समर्थन में लगाने लगे नारे

» **लंदन, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

खालिस्तानियों के दिल में कितनी नफरत है इसकी बानगी यहां हुए एक प्रदर्शन में देखने को मिली। बांग्लादेश में हिंदू युवक दीपु चंद्र दास की नृशंस हत्या के विरोध में प्रदर्शन हुआ। हालांकि, इस शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान उस समय तनाव पैदा हो गया जब खालिस्तानी अलगाववादी समूह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के बचाव में उतर आए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, खालिस्तानी प्रदर्शनकारी मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश सरकार की ढाल बनकर खड़े हो गए। उन्होंने न केवल हत्या का विरोध कर रहे हिंदुओं को डराने की कोशिश की, बल्कि उनके खिलाफ उकसाने वाले नारे भी लगाए। स्थिति को बिगड़ता देख लंदन पुलिस ने हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों के बीच दीवार बनकर शांति बनाए रखने की कोशिश की। लंदन में रहने वाले बांग्लादेशी हिंदुओं ने दीपु दास की हत्या और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों के खिलाफ उच्चायोग के बाहर प्रदर्शन आयोजित किया था। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि दोषियों को कड़ी सजा मिले और हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। हैरानी की बात यह रही कि इस प्रदर्शन का विरोध करने के लिए वहां खालिस्तानी समर्थक पहुंच गए।

यह घटना भारत विरोधी ताकतों के बीच बढ़ते गठजोड़ की ओर इशारा करती है। खालिस्तानी आतंकी संगठन सिख फॉर जस्टिस का नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू लगातार भारत विरोधी बयानबाजी कर रहा है। हाल ही में पन्नू ने अमेरिका से एक वीडियो जारी कर बांग्लादेश के कट्टरपंथियों का समर्थन किया था। पन्नू ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को तोड़ने की एक नई साजिश रची है। उसने एक विवादास्पद मानचित्र जारी किया है, जिसमें असम, मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और नागालैंड को मिलाकर एक अलग देश बनाने का दावा किया गया है। पन्नू ने इस काल्पनिक देश का नाम ट्रम्पलैंड रखा है। साथ ही, उसने अरुणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा दिखाने की हिमाकत भी की है। बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब किसी ने पूर्वोत्तर को भारत से अलग करने की बात कही हो इससे पहले कुछ बांग्लादेशी कट्टरपंथी नेता भी इसी तरह के दावे कर चुके हैं। गुरपतवंत सिंह पन्नू भारत के खिलाफ जहर उगलने का कोई मौका नहीं छोड़ता। वह अक्सर पाकिस्तानी चैनलों पर बैठकर भारत विरोधी एजेंडा चलाता है। 2023 के क्रिकेट विश्व कप के दौरान पन्नू ने स्टेडियम और विमानों को निशाना बनाने की धमकी दी थी।

बांग्लादेश: हादी हत्याकांड में मुख्य आरोपियों का अब तक पता नहीं, इकबाल मंच करेगा नाकाबंदी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

बांग्लादेश में छात्र से नेता बने शरीफ उस्मान हादी की हत्या को लगभग दो हफ्ते से ज्यादा समय बीत चुका है, लेकिन अब तक हत्यारों को पकड़ा नहीं जा सका है। इस बीच इकबाल मंच ने रविवार को पूरे देश में पूरी तरह से नाकाबंदी करने का ऐलान कर दिया है।

इकबाल मंच यूनुस सरकार को लगातार अल्टीमेटम देता रहा है कि अगर हादी के हत्यारों को नहीं पकड़ा गया तो बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शन देखने को मिलेगा। नाकाबंदी के ऐलान से पहले इकबाल मंच लगातार दो दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहा है। द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, इकबाल मंच ने शनिवार रात करीब 11:30 बजे फेसबुक पोस्ट में कहा कि नाकाबंदी सुबह 11 बजे शुरू होगी।

प्रोथोम एलो की रिपोर्ट के मुताबिक, यह घोषणा शाहबाग चौराहे से भी की गई, जहां इंकलाब मंच ने लगातार दूसरे दिन अपना धरना जारी रखा। शाहबाग में प्रोग्राम के दौरान पर्यावरण सलाहकार सैयदा रिजवाना हसन और ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (डीएमपी) कमिश्नर शेख मोहम्मद सज्जत अली ने रात करीब 11 बजे साइट का दौरा किया और प्रदर्शकारियों को हादी के मामले में जांच कहां तक पहुंची है, इसके बारे में जानकारी दी। चार्जशीट जल्दी जमा करने और स्पीडी ट्रायल का वादा करते हुए सलाहकार ने कहा, अंतरिम सरकार शहीद उस्मान हादी को मारने वालों और पर्दे के पीछे काम करने वालों की पहचान करने और उन्हें इंसाफ दिलाने के लिए काम कर रही है।

अमेरिका ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का किया आग्रह

वॉशिंगटन, यूटर्न/ 28 दिसम्बर। बांग्लादेश में हिंदू कपड़ा मजदूर दीपू चंद्र दास की निर्ममता से हत्या को लेकर दुनियाभर में निंदा हो रही है। अमेरिकी विदेश विभाग ने हाल ही में हुई इस धार्मिक हिंसा की निंदा की है। साथ ही, एक प्रभावशाली अमेरिकी सीनेटर ने दीपू चंद्र दास की मॉब लिंचिंग को भयानक बताया और बिना शर्त धार्मिक नफरत की निंदा करने की अपील की।

पाकिस्तानी सेना सीमाओं की रक्षा नहीं, कर रही करोड़ों अरबों रुपयों का कारोबार

» **इस्लामाबाद, यूटर्न/ 28 दिसम्बर।**

बलूचिस्तान को पाकिस्तान से अलग देश बनाने के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे मीर यार ने एक वीडियो के जरिए कर बताया कि कैसे पाकिस्तानी सेना बिस्किट से लेकर एयरलाइन तक हर बिजनेस में अपना पैर जमाए हुए है। दूसरी ओर लड़ाई के मैदान पर वह मुंह की खाती रही है। मीर यार अपने एक्स पर पोस्ट में लिखा- सभ्य दुनिया में सेनाएं अपने देश की सीमाओं पर मजबूती से खड़ी रहती हैं। वे सच्चे रखवाले की तरह अपने नागरिकों को खतरों से बचाती हैं। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान में सेना एक अलग ही खेल खेलती है। वह सीमेंट फैक्ट्रियों, टीवी ड्रामा, बेकरियों, बैंकों से लेकर रियल एस्टेट और यहां तक कि अनाज का बिजनेस भी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट क मुताबिक मीर यार ने कहा कि पाकिस्तान की सेना सही मायनों में देश का सबसे बड़ा ग्रुप है। एक ऐसा कारोबारी ग्रुप जो अरबों कमा रहा है। यह एक ऐसा देश में हो रहा है, जिसकी अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। देश की इकॉनमी बेलआउट के लिए भीख मांग रही है। एक गरीब देश में सेना जमकर पैसा कमा रही है। मीर का कहना है कि पाकिस्तानी सेना का लड़ाई के मैदान में रिकॉर्ड बहुत बुरा है। 78 साल के इतिहास में कोई बड़ा युद्ध वह नहीं जीत सके हैं। पाकिस्तानी सेना का भारत के खिलाफ 1947, 1965 और 1971 क्या हुआ, सब जानते हैं। 1999 का कारगिल भी किसी से छुपा नहीं है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *